

काम के दौरान दुखद घटना

2



“नजरिया साफ, ख़ब्बरें निष्पक्ष”

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सोमवार 28 सितम्बर 2026

हैदराबाद से प्रकाशित

WEB SITE : Shwetha.co.in

संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी

पृष्ठ - 1 | अंक - 13 | वर्ष - 8 | मूल्य - 3रु

अमित शाह ने गुजरात के साबरमती में देश की पहली एलएनजी ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, जो पर्यावरण के अनुकूल हरित तकनीक को बढ़ावा देगी.

अहमदाबाद: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने साब, रमती में 1,542 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली कई रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा, अमित शाह ने कई अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम, लोकोमोटिव मटेनेंस शोड और साबरमती-सरखेज रेलवे लाइन को डबलिंग करने का काम शामिल है। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा गया है। 411 करोड़ रुपये की लागत से 404 किलोमीटर के रेल सेक्शन पर 'कयच' सिस्टम लागू करके ट्रेन की सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा।

2027-28 तक, साबरमती शोड में 12,000 हॉर्सपावर की क्षमता वाले 300 लोकोमोटिव चालू हो जाएंगे, जब 12 लोकोमोटिव, जिसका मटेनेंस साबरमती शोड (जो 700 करोड़ रुपये की लागत से बना है) में किया जाएगा, 12,000 एचपी क्षमता वाला एक बहुत शक्तिशाली इलेक्ट्रिक इंजन है, यह तेज गति से भारी और बहुत लंबी मालगाड़ियों को खींचने में सक्षम है। 2027-28 तक ऐसे कुल 300 इंजन चालू हो जाएंगे, जिससे माल ट्रेनों की क्षमता बढ़ेगी और रेलवे ट्रांसपोर्टेशन को नई ताकत मिलेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री मूपेंद्र पटेल समेत कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं। नई परियोजनाओं के तहत, जब 12 साबरमती लोकोमोटिव मटेनेंस शोड और साबरमती-कलोल-मोटीगाऊ और साबरमती-साणंद-जाखवाड़ा सेक्शन पर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम का उद्घाटन किया गया, साथ ही, साबरमती-सरखेज रेल लाइन को डबल करने और अहमदाबाद-पालनपुर और



अहमदाबाद-समखियाली सेक्शन पर 'कयच' सिस्टम लागू करने की आधारशिला भी रखी गई। 1,542 करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाओं की सौगात: इस कार्यक्रम के दौरान, गृह मंत्री ने गुजरात को 1,542 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं की सौगात दी। साबरमती रेलवे स्टेशन का नया रूप: आधुनिक सुविधाओं वाले नए सिरे से तैयार साबरमती स्टेशन का उद्घाटन किया गया। जब 12 मटेनेंस शोड: साबरमती में 700 करोड़ रुपये की लागत से बने आधुनिक 12 लोकोमोटिव मटेनेंस शोड को राष्ट्र को समर्पित किया गया। साथ ही लाइन डबलिंग प्रोजेक्ट: साबरमती-सरखेज रेलवे लाइन के डबलिंग प्रोजेक्ट का भी उद्घाटन किया गया।

इसे डुअल-फ्यूल डीईएमयू कहा जाता है। डीआरएम वेद प्रकाश के अनुसार, इस डुअल-फ्यूल सिस्टम का मकसद डीजल के कुछ हिस्से को एलएनजी से बदलना है, जिससे ट्रेन की ऑपरेशनल परफॉर्मेंस बनाए रखते हुए फ्यूल की लागत और उत्सर्जन (मउपेपवदे) को कम किया जा सके। ट्रेन में रखे कहां स्टोर की जाएगी? इस टेक्नोलॉजी की सबसे दिलचस्प बात एलएनजी स्टोरेज सिस्टम है। डीआरएम वेद प्रकाश से मिली जानकारी के अनुसार, हर डीपीसी (डीजल पावर कार) में लगभग 2,200 लीटर क्षमता वाला एलएनजी टैंक लगाया गया है। इसमें लगभग 950 से 1,000 किलोग्राम इस्तेमाल करने लायक एलएनजी स्टोर की जा सकती है। उन्होंने बताया कि एलएनजी का एक पूरा टैंक लगभग 222 किलोमीटर की दूरी तक रोजाना के ऑपरेशन के लिए काफी है। इस तरह, मकसद एलएनजी रिफिलिंग की जरूरत को कम करना रहा है। एलएनजी को टैंक में आम डीजल की तरह स्टोर नहीं किया जाता है। इसे लिक्विड स्टेट में बनाए रखने के लिए खास क्रायोजेनिक एलएनजी टैंक और उससे जुड़े सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है।

रामोजी फिल्म सिटी को मिला 'बेस्ट सिविक मैनेजमेंट ऑफ टूरिस्ट डेस्टिनेशन' अवॉर्ड

हैदराबाद: विश्व पर्यटन दिवस (वर्ल्ड टूरिज्म डे) पर शनिवार को तेलंगाना सरकार की तरफ से रामोजी फिल्म सिटी को 'पर्यटक स्थल का सर्वश्रेष्ठ नागरिक प्रबंधन' (बेस्ट सिविक मैनेजमेंट ऑफ टूरिस्ट डेस्टिनेशन) अवॉर्ड प्रदान किया गया।

इस दशक में यह दूसरा मौका है जब रामोजी फिल्म सिटी ने यह अवॉर्ड जीता है। इससे पहले इसे 2021 में यह अवॉर्ड मिला था। 2026 का यह अवॉर्ड शिल्पराम में आयोजित एक कार्यक्रम में 'डिजिटल एजेंडा - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ पर्यटन की पुनः कल्पना' थीम के तहत प्रदान किया गया। रामोजी फिल्म सिटी के वाइस-प्रेसिडेंट ए.वी. राव ने तेलंगाना के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव से यह अवॉर्ड स्वीकार किया। इस उपलब्धि का श्रेय प्रमादी टीमवर्क और मजबूत लीडरशिप समर्थन को देते हुए, ए.वी. राव ने कहा, "सुविधाओं, स्वच्छता और रखरखाव के मामले में राज्य या देश की कोई भी अन्य फ़ैसिलिटी, रामोजी फिल्म सिटी की बराबरी नहीं कर सकती। वह कामयाबी पूरी तरह से सामूहिक सहयोग और हमारे प्रबंधन द्वारा प्रदान की गई प्रेरणा से ही संभव हो पाई है।" रामोजी फिल्म सिटी के वाइस-प्रेसिडेंट ए.वी. राव रामोजी फिल्म सिटी के



वाइस-प्रेसिडेंट ए.वी. राव (मूट टीलज) इस समारोह में 29 कैटेगरी में अवॉर्ड दिए गए, जिसमें रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट, अम्यूजमेंट पार्क और ट्रेवल एजेंसी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता को मान्यता दी गई। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में तकनीक की बदलाव लाने की क्षमता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा एनालिटिक्स का प्रभावी ढंग से उपयोग करके, राज्य बहुत अधिक करटमाइज्ड यात्रा कार्यक्रम तैयार कर सकता है, बहुभाषी सहायता प्रदान कर सकता है, सांस्कृतिक विरासत को डिजिटल रूप से प्रदर्शित कर सकता है और शानदार बर्चुअल अनुभव प्रदान कर सकता है। मंत्री ने कहा, "हमने एक व्यापक और आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो पर्यटकों को पूरे राज्य में घूमने की जगहों, आकर्षणों, यात्रा पैकेजों और स्थानीय कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी

परी आसानी से पाने की सुविधा देता है।" पर्यटन को बढ़ावा देना सामाजिक जिम्मेदारी पर्यटन को बढ़ावा देना एक सामूहिक "सामाजिक जिम्मेदारी" है, इस बात पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना पर्यटन नीति 2025-30 के तहत, राज्य सरकार का लक्ष्य 650,000 करोड़ का निवेश आकर्षित करना और 5 लाख रोजगार के अवसर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों से न सिर्फ खुराी और आनंद मिलता है, बल्कि लोगों के सोचने का तरीका भी बदलता है। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य तेलंगाना को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों यात्रियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में मजबूती से स्थापित करना है। मुख्य अतिथि और उप-मुख्यमंत्री मल्लू मट्टी विक्रमार्क ने राज्य के पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक और उन्नत बनाने पर सरकार के उच्च प्राथमिकता वाले फोकस को दोहराया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित विकास की रूपरेखा के बारे में बताया, जिसमें पारिस्थितिक - पर्यटन (मबव-जवनतपेड), मंदिर पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन और स्वास्थ्य पर्यटन शामिल हैं।

विक्रमार्क ने कहा, "हमने कॉर्पोरेट अधिकारियों और सॉफ्टवेयर कंपनियों के ब्रे के लिए विशेष वीकेंड गेटवे तैयार किए हैं, ताकि वे हमारे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर अपने परिवारों के साथ सुकून के पल बिता सकें।"

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का यह पोस्ट एसआईआर पर चुनाव आयोग में असहमति की रिपोर्ट के बाद मंच राजनीतिक तूफान के बीच आया है.



कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का यह पोस्ट एसआईआर पर चुनाव आयोग में असहमति की रिपोर्ट के बाद मंच राजनीतिक तूफान के बीच आया है। नई दिल्ली: चुनाव आयोगों की भूमिका और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (पू) को लेकर चल रहे विवाद के बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को एक शहरमयी सोशल मीडिया पोस्ट लिखा। कांग्रेस सांसद ने 7 पर बिना कोई संदर्भ या विस्तार दिए पोस्ट किया, "मुझे तब समुद्र में तैरना पसंद है जब लहरें तेज हों। यह आपको सिखाता है कि उथल-पुथल भी शांति का ही दूसरा रूप है।" राहुल गांधी का यह पोस्ट 23 सितंबर को 'द इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के बाद मंच राजनीतिक तूफान के बीच आई है, जिसमें कहा गया था कि दोनों चुनाव आयुक्तों - सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी - ने मतदाता

सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों पर बार-बार सवाल उठाए थे। देशभर में एसआईआर की प्रक्रिया तीन सदस्यीय चुनाव आयोग की देखरेख में चल रही है। अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, संधू और जोशी ने पिछले 10 महीनों में लिए गए निर्णयों और जारी किए गए आदेशों पर औपचारिक रूप से, रिकॉर्ड पर, कम से कम 14 बार आपत्ति जताई है, जो उनके अनुसार उनकी जानकारी या सिफारिशों के बिना लिए गए थे। राहुल गांधी ने पिछले साल "वोट खरी" का मुद्दा उठाया था और चुनावों में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। अब राहुल गांधी का कहना है कि इस न्यूज रिपोर्ट ने भी उनके आरोपों की पुष्टि की है। कांग्रेस पार्टी विवादास्पद एसआईआर को बढ़ावा देने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्ल) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए आक्रामक अभियान चला रही

है और इस मुद्दे पर विपक्ष की एकजुटता दिखाने के लिए 30 सितंबर को इंडिया गठबंधन का समर्थन जुटाएगी। पिछले कुछ दिनों में, सभी विपक्षी दलों ने 'प' के तहत अब तक राज्यों में वोटर लिस्ट से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जाने पर चिंता जताई और इस बात पर सहमत हुए कि इस गैर-लोकतांत्रिक कदम को रोकने के लिए एक आवाज में बोलने की जरूरत है। इसलिए, 30 सितंबर को पच्छिम बंगाल की मीटिंग में इस बात पर चर्चा होगी कि आने वाले दिनों में 'प' को लेकर देश भर में विरोध प्रदर्शनों के लिए ताकतों को कैसे इकट्ठा किया जाए, देश भर में बीजेपी का विरोध करने के तरीके कैसे प्लान किए जाएं, जब से सुधार किए जाएं और जब की फिर से निंदा की जाए।

विरोध के बाद तमिलनाडु की विजय सरकार ने वापस लिया फैसला, 'आरटीआई पर आया था विवादास्पद फैसला'

प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर 21 सितंबर को जारी मानव संसाधन प्रबंधन विभाग के सरकारी आदेश को वापस ले लिया। वापस लिए गए इस आदेश में पारदर्शिता कानून की धारा 24(4) का इस्तेमाल करते हुए विभाग को "खुफिया और सुरक्षा संगठन" का दर्जा दिया गया था, जिससे इसे सार्वजनिक जानकारी देने से छूट मिल गई थी। टीपीके के नेतृत्व वाले राज्य प्रशासन के शुरुआती कदम से राजनीतिक हंगामा मच गया था और सहयोगी दलों - कांग्रेस और बिजुधलाई विरुद्धिगल काथी - ने इसकी कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद ही यह त्वरित बदलाव किया गया। आदेश वापस लेने से पहले, बीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने गजट नोटिफिकेशन को "बेहद चौंकाने वाला" बताया था।



उन्होंने चेतावनी दी थी कि इससे "मानवाधिकारों के दमन का रास्ता खुलेगा" और इसे तुरंत वापस लेने की पुरजोर मांग की थी। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने भी शुरुआती फैसले पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि इससे "गलत मिसाल" कायम होगी और आरटीआई अधिनियम के दायरे को सीमित करने के बजाय उसका विस्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अगर आदेश लागू रहता, तो पुलिस द्वारा प्रताड़ना,

हिरासत में मौत, पुलिस फायरिंग, सा. प्रदायिक झड़पों और सुरक्षा से जुड़ी हिरासत से संबंधित रिकॉर्ड तक आरटीआई के जरिए पहुंच नहीं मिल पाती। शिवगंगा लोकसभा सांसद ने विवादित सरकारी आदेश को वापस लेने के सरकार के फैसले का स्वागत किया। इससे पहले दिन में, स्कूल शिक्षा मंत्री ए. राजमोहन ने शुरुआती प्रतिबंध का बचाव करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित नहीं होगी, लेकिन इसकी "तकलीफ" का ध्यान रखा जाना चाहिए। आरटीआई का मतलब है 'सूचना का अधिकार'। यह संसद द्वारा 'सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005' के तहत पारित एक कानून है, जो नागरिकों को सरकारी डेटा, रिकॉर्ड और दस्तावेज मांगने का अधिकार देता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को मिली जान से मारने की धमकी

सुधियाना (जगरांव): पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू को जान से मारने की धमकी मिली है। वहीं बिट्टू ने धमकी देने वालों को करारा जवाब भी दिया है। मामले में पाकिस्तान के किसी आतंकी संगठन के जुड़े होने की संभावना है। धमकी का ऑडियो वायरल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऑडियो में आरा. पी ने बिट्टू को धमकी दी है और अनर्गल बयान देने से मना किया है। आरोपी ने आगे कहा कि वह अपनी हद में रहे। जिस दिन वह हमारे निशाने पर आएगा, उसके साथ मौजूद दूसरे लोग भी इस हमले का शिकार होंगे। आरोपी ने हमले को



लेकर अगले 5-10 दिनों का भी जिक्र किया है। "न पंजाब के लिए कभी पीछे नहीं हटा। जब तक मैं सांस ले रहा हूँ, वे मेरी आवाज कभी नहीं दबा सकते। पाकिस्तान और पाकिस्तान की आईएसआई उन्हें कितना भी मजबूर कर ले, वे सिर्फ जान लेना जानते हैं,

उन्होंने कभी कोई अच्छा काम नहीं किया। ये खून के प्यासे लोग हैं और वे खून-खराबा चाहते हैं। जहां भी उनके टीईआरटी मॉड्यूल चल रहे हैं, भारत वहां जाकर हमला करता है। हम धीरे-धीरे बढ़े हुए चार-पांच को भी खत्म कर देंगे।" - रवनीत बिट्टू, पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता बिट्टू का दो ठूक जवाब कथित धमकी के बाद गुस्से जाहिर करते हुए रवनीत बिट्टू ने कहा कि "यह पाकिस्तान की सबसे बड़ी टीईआरटी ऑर्गेनो है, उसने देखा कि देश के हित में जी रहे एक परिवार को क्यों न टारगेट किया जाए, मेरे फोन पर सीधे बार-बार धमकियां दी गईं, उसने

काम के दौरान दुखद घटना



विजयवाड़ा पुलिस स्टेशन के ब. अहमद अली अचानक बीमार पड़कर गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। उस समय, बड़ी संख्या में सचिवालय कर्मचारी गांधीनगर के धरना चौक पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। हालाँकि पुलिस ने पड़ले ही स्पष्ट कर दिया था कि विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं है, फिर भी कर्मचारी वहाँ पहुँचे, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। कर्मचारियों को गिरफ्तार करते समय पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। उसी समय, सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात ब. अहमद अली अचानक बेहोश हो गए। पुलिस ने तुरंत ब्लू दिया और उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। ब. की मौत से पुलिसकर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई है। अभी यह पता चलना बाकी है कि उनकी मौत का कारण दिल का दौरा था या कोई अन्य चिकित्सीय कारण। दूसरी ओर, गाँव और वार्ड सचिवालय कर्मचारियों की कई मौंगें अभी भी लंबित हैं। ट्रेड यूनियनों का कहना है कि

कर्मचारियों में विशेष रूप से नोशनल इंड्रीमेंट, वेतन और प्रमोशन जैसे मुद्दों को लेकर असंतोष है। ट्रेड यूनियनों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता, वे विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, कहा जा रहा है कि नोशनल इंड्रीमेंट से संबंधित फाइल बिना विभाग को भेज दी गई है। इस संदर्भ में, असली सवाल यह है कि कर्मचारियों की चिंताओं का समाधान कैसे किया जाए? एक तरफ कर्मचारी अपने अधिकारों और मांगों के लिए विरोध कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ पुलिस शांति बनाए रखने के भारी दबाव का सामना कर रही है। लोकतंत्र में विरोध करने का अधिकार और पुलिस द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन — इन दोनों के बीच तालमेल बिठाना सबसे महत्वपूर्ण है। इस हालिया घटना के बाद, भविष्य में ऐसी चिंताओं के प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस सुस्था जैसे मुद्दों पर भी चर्चा करने की आवश्यकता है। 'चलो विजयवाड़ा' के दौरान ब. अहमद अली की मौत की घटना ने कर्मचारियों की चिंताओं पर एक दुखद साया डाल दिया है। घटना से जुड़ी पूरी जानकारी और ब. की मौत के मेडिकल कारणों का आधिकारिक तौर पर पता बाद में चलेगा। इस समय, जब सरकार बातचीत के जरिए कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान कर रही है, तो वे अपनी चिंताएँ कैसे उठाएँ? यह समझना जरूरी हो गया है। एक तरफ कर्मचारियों की मौंगें हैं... तो दूसरी तरफ ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी की मौत — यानी विजयवाड़ा की घटना। इसने एक बार फिर याद दिला दिया है कि जिम्मेदारी, संयम और तालमेल कितने जरूरी हैं।

मेडिकल कॉलेजों में फर्जी प्रमाण पत्रों से दाखिले का नया मामला, अधिवक्ता समेत चार अरेस्ट



रुद्रपुर: देहरादून के बाद उधम सिंह नगर जिले में भी मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए फर्जी पत्र और कूटस्थित दस्तावेजों के आधार पर प्रमाण पत्र बनवाने का मामला सामने आया है। मामला बाजपुर तहसील क्षेत्र का है। उधम सिंह नगर जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई जांच में संबंधित अभ्यर्थियों के बताए पत्र पर निवास नहीं करने की पुष्टि हुई। प्रशासन ने प्रमाण पत्र निरस्त करते हुए एक अधिवक्ता समेत चार लोगों के खिलाफ बाजपुर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया। साथ ही पूर्व में जारी प्रमाण पत्रों का भी दोबारा सत्यापन शुरू कर दिया गया है। जिलाधिकारी उधम सिंह नगर के निर्देश पर 23 सितंबर 2026 को विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से सत्यापन के लिए प्राप्त प्रमाण पत्रों की जांच कराई गई। बाजपुर तहसील क्षेत्र से संबंधित प्रमाण पत्रों के मौखिक सत्यापन के लिए उप जिलाधिकारी ऋचा सिंह के निर्देश पर राजस्व उप निरीक्षक और राजस्व टीम ने स्थानीय जांच की जांच में हुआ खुलासा: प्रशासन के अनुसार स्थानीय सत्यापन के दौरान संबंधित अभ्यर्थी प्रमाण पत्रों में दर्ज पते पर निवासरत नहीं पाए गए। इसके बाद प्रमाण पत्रों के साथ लगाए गए दस्तावेजों की संबंधित विभागों से जांच कराई गई। जांच में कथित तौर पर यह सामने आया कि कुछ अभ्यर्थियों ने स्थानीय लोगों की सहायता से गलत पते और कूटस्थित सक्षयों के आधार पर प्रमाण पत्र बनवाए थे। परिजनों से की गई पूछताछ: इन प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए किए जाने की बात सामने आई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने संबंधित अभ्यर्थियों के परिजनों को तहसील में बुलाकर पूछताछ की। अपर जिलाधिकारी उधम सिंह नगर, उप जिलाधिकारी बाजपुर, तहसीलदार बाजपुर और राजस्व टीम की मौजूदगी में परिजनों व अन्य संबंधित लोगों के लिखित बयान भी दर्ज किए गए। पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद प्रशासन ने फर्जी पाए गए प्रमाण पत्रों को निरस्त कर दिया। प्रशासन की ओर से बाजपुर कोतवाली में ग्राम विहारी भोजवाला पुत्र गेदन लाल निवासी दीलतापुर रोड बरखेड़ा तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत उत्तर प्रदेश निवास माधुर पुत्र बालजीत निवासी गुला रोड इण्डियानगर जिला बरेली उत्तर प्रदेश अर्चना पत्नी आशीष भारद्वाज निवासी मुंडियाकला, बाजपुर, उधम सिंह नगर राहित पुत्र राजेंद्र निवासी हरलालपुर बाजपुर बाजपुर के एक अज्ञात अधिवक्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुराने प्रमाण-पत्रों की भी होगी जांच: पुलिस

मंचसंपदमत: क्यों अपनी ही पार्टी के नीरज कुमार को हराना चाहते हैं अनंत सिंह? 11 साल के अदावत की इनसाइड स्टोरी समझिए



पटना : बिहार विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की आठ सीटों पर चुनाव होना है। कई सीटों पर मुकाबला बेहद दिलचस्प हो चुका है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने फिलहाल आधिकारिक तौर पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की है। इसके बावजूद, पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव सबसे ज्यादा चर्चा में बना हुआ है। यहां जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के दो दिग्गज नेताओं के बयानों ने सियासी सरगमी बढ़ा दी है। पुराने साथियों में अदावत जदयू नेता नीरज कुमार चौथी बार पटना स्नातक क्षेत्र से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। दूसरी तरफ, मोकामा के जदयू विधायक अनंत सिंह ने पार्टी में रहते हुए भी एक अन्य निर्दलीय प्रत्याशी का खुलकर समर्थन कर दिया है। वे सार्वजनिक मंचों से नीरज कुमार को हराने का दावा कर रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच यह अदावत कई वर्षों पुरानी है। अब चुनावी बहस में एके-47 से लेकर लालू प्रसाद तक का जिक्र होने लगा है। [अ-47 का गंभीर आरोप] विधायक अनंत सिंह ने आरोप लगाया कि नीरज कुमार की वजह से ही उन्हें पूर्व में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से हाथ मिलाना पड़ा था। उन्होंने दावा किया कि उनके घर से जो एके-47 बरामद हुई थी, वह नीरज कुमार द्वारा ही फ्लॉट कराई गई थी। इसी साजिश के कारण उन्हें जेल जाना पड़ा था। हालांकि, नीरज कुमार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कोर्ट में सबूत पेश करने की चुनौती दी है। बदले की सियासी लड़ाई राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अतीत का पुराना गणित दोनों नेताओं के बीच का यह विवाद करीब डेढ़ दशक पुराना है, जो साल 2015 के बाद से और ज्यादा बढ़ गया। इससे पहले वर्ष 2005 और 2010 के चुनावों में नीरज कुमार ने अनंत सिंह के लिए प्रचार किया था। लेकिन 2015 में समीकरण बदले और अनंत सिंह बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़े। उस समय जेल में रहते हुए भी उन्होंने नीरज कुमार को 18,348 वोटों के अंतर से करारी शिकस्त दी थी। महावीर मंदिर में डिवेट का चैलेंज अनंत सिंह का दावा है कि नीरज कुमार ने उन्हें हराने की चार बार कोशिश की, लेकिन जनता के समर्थन के कारण वे कभी सफल नहीं हो सके। उन्होंने नीरज कुमार पर पहली बार विधान परिषद का टिकट पाने के लिए घेर पमहावीर मंदिर में डिवेट का चैलेंज अनंत सिंह का दावा है कि नीरज कुमार ने उन्हें हराने की चार बार कोशिश की, लेकिन जनता के समर्थन के कारण कड़ने का भी आरोप लगाया। अनंत सिंह ने सीधी चुनौती देते हुए कहा कि नीरज कुमार पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर में आकर उनके साथ सार्वजनिक डिवेट करें, ताकि सब सामने आ सकें। 'मेरे घर में एक-47 नीरज ने ही फ्लॉट करवाया था इसके कारण मुझे जेल जाना पड़ा था। नीरज ने हमारा पैर पकड़ा, हमने नीतीश कुमार और ललन सिंह का पैर पकड़ा। तब नीरज को पहली बार विधान परिषद का टिकट मिला। महावीर मंदिर में डिवेट करें। हम बताएंगे कि नीरज ने मेश कितना विरोध किया, कितनी गाली दी। नीरज ही बताएंगे कि मैंने उनका कब अहित किया।' — अनंत सिंह, मोकामा विधायक

दशहरे के लिए बेजवाड़ा तैयार हो रहा है



रखते हुए, इस बार और बड़े प्रोग्राम प्लान किए जा रहे हैं। विजयवाड़ा उत्सव के साथ-साथ, 8 से 23 अक्टूबर तक नेशनल सरस मेला भी होगा। देश के अलग-अलग राज्यों के कल्चर, ट्रेडिशन और आर्ट को दिखाने वाले प्रोग्राम ऑर्गनाइज किए जाएंगे। पारंपरिक कला के साथ-साथ मॉडर्न मनोरंजन

प्रोग्राम को भी प्राथमिकता दी जाएगी। दस दिनों तक शहर के अलग-अलग हिस्सों में कलाकारों के शो करके विजयवाड़ा को एक बार फिर सांस्कृतिक और कला की राजधानी के तौर पर दिखाने की कोशिश की जा रही है। उधे ने कहा कि इन फेस्टिवल में देश के कई जाने-माने लोगों, दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों को बुलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मैसूर से हाथी लाने का भी इंतजाम किया जा रहा है। दूसरी ओर, कनकदुरगम्मा दर्शन, नेशनल सरस मेला, विजयवाड़ा उत्सव... इन तीनों इवेंट को एक ही ट्रिप में करने का प्लान बनाया जा रहा है, जो मेहनताने और भत्तों के लिए सही हो। उन्हें सुबह देवी के दर्शन करने और शाम को उत्सव में शामिल होने का मौका दिया जाएगा। दशहरे के मौके पर विजयवाड़ा में लाखों भक्तों के आने की संभावना को देखते हुए ट्रैफिक, पार्किंग और सुरक्षा इंतजाम पर खास ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पिछ

साइबर ठगी के शिकार पीड़ितों पर दोहरी मार! शिकायत के लिए रिश्वत का दबाव, पुलिस और बैंकिंग संस्थानों से सही सहयोग की कमी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियों और बैंकिंग संस्थानों से साइबर क्राइम से लड़ने के लिए मिलकर काम करने को कहा था। उनके इस बात को कड़ने के महीनों बाद गुरुवार को 'साइबर क्राइम क्विक्टम पर्सपेक्टिव्स एंड सिस्टेमिक रिस्पॉन्सेस' पर भारत में पुलिस व्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट (रैक) 2026 से पता चला कि पुलिस और बैंकिंग संस्थानों से सही सहयोग की कमी ने स्थिति को और बिगाड़ कर रख दिया है। कॉमन कॉज और लोकनीति-सीएसडीएस की मिलकर की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि साइबर क्राइम के मामलों में आमतौर पर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है। नई दिल्ली में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन 15 पीड़ितों ने पुलिस से ऑनलाइन या खुद जाकर शिकायत की थी उनमें से छह मामलों में एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से दो ऑटोमैटिक एफआईआर थीं, वहीं कम से कम दो अन्य मामलों में, पीड़ितों ने एफआईआर दर्ज करवाने के लिए प्रभावशाली लोगों से संपर्क किया। ब्लडगटवतपउम अपबजपउरे जतनहहसग जय हगज चवसपबग, इंवा नचवतज: थयवके च्म 2026 भारत में पुलिस व्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट (रैक) 2026 (फ्ल्ट टीतज) कॉमन कॉज के डायरेक्टर विपुल



मुद्गल ने कहा कि इस अध्ययन का मकसद साइबर क्राइम के बारे में लोगों की सोच और अनुभव और उनसे निपटने के लिए सिस्टम की तैयारी को समझना है। यह अध्ययन 16 भारतीय राज्यों में 8,306 से ज्यादा लोगों के सर्वेक्षण पर आधारित है। इसका मकसद भारत में साइबर क्राइम के तेजी से बदलते प्रकृति और उनसे निपटने के लिए बने सिस्टम की जांच करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्तीय साइबर अपराध के पीड़ितों और जानकारी देने वाला यह महसूस किया कि बैंकों ने जिम्मेदारी लेने या रिकवरी प्रक्रिया में पीड़ित की मदद करने से मना कर दिया। एक मामले को छोड़कर वित्तीय घोषावर्षी (फाइनेंशियल फ्रॉड) के

पीड़ितों के साथ बाकी सभी इंटरव्यू में बैंकों ने कहा कि पीड़ितों ने फ्रॉड करने वाले के साथ 'सहयोग' किया। पुलिस और बैंकिंग संस्थानों से सही सहयोग की कमी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। साइबर क्राइम के मामलों से निपटने में पुलिस को दी गई औसत रेटिंग पांच में से 2.4 थी, बैंकिंग संस्थानों की ओवरऑल रेटिंग पांच में से एक थी। लोगों ने पुलिस को रिश्वत देकर अपनी शिकायत दर्ज करवाई। पीड़ितों ने अपने पर्सनल नेटवर्क से संपर्क किया ताकि पुलिस मामले को ठीक से देख सके। पुलिस के साथ अपने अनुभव का मूल्यांकन करने वाले दस जवाब देने वालों में से पुलिस को दी गई औसत रेटिंग पांच में से 2.4 थी। बैंकों के साथ अपने अनुभव को रेट करने वाले छह पीड़ितों में से कुल रेटिंग पांच में से एक खराब थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस से शिकायत करने वाले पांच में से दो (42 प्रतिशत) पीड़ितों को शिकायत दर्ज करने का प्रक्रिया मुश्किल लगा। 17 प्रतिशत को यह बहुत मुश्किल लगा और 25 प्रतिशत ने कहा कि यह कुछ हद तक मुश्किल था। जिन लोगों ने पुलिस से अपनी शिकायत दर्ज करवाई उनमें से एक चौथाई से ज्यादा (27 प्रतिशत) ने पुलिस को

गोशामहल पुलिस स्टेशन इलाके में नकली नोट का मामला



अमीन हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

(1-1) विक्रम, पिता गंगाराम

हैदराबाद पुलिस के गोशामहल पुलिस स्टेशन ने क्राइम नंबर 35942026 (धारा 179, 180, 318(4) और 3(5) तह) के तहत एक आरोपी को पकड़ा है। यह आरोपी नकली नोट रखने, उन्हें चलाने और धोखाधड़ी करने में शामिल था। आरोपी की जानकारी:

(1-1) विक्रम, पिता गंगाराम, उम्र: 21 साल, काम: बालाजी डेकर्स में प्राइवेट कर्मचारी, पता: 14-5-399, बेदारवाड़ी, बेगम बाजार, हैदराबाद मूल निवासी: कुमावतों का बास, लोटी, पाली जिला, राजस्थान, मोबाइल: 8302990698, आधार नंबर: 8590 0856 7832 (आरोपी 11 को 25.09.2026 को रात 11:30 बजे गिरफ्तार किया गया और माननीय कोर्ट के सामने पेश किया जा रहा है)

(2) अशोक और अन्य (फरार)
जब्त किया गया: - ₹500 के 16 नकली नोट मामले की संक्षिप्त जानकारी: -

25-09-2026 को रात लगभग 9:00 बजे, हैदराबाद के बेगम बाजार छतरी के पास गश्त के दौरान, 1 जवान नईक और 3649 संजय कुमार शर्मा ने शक होने पर 21 साल के विक्रम को पकड़ा। पूछताछ के दौरान, उसने बताया कि वह छोटे बुकानदारों को ₹500 के नकली नोट देकर बदले में ₹400 के असली नोट (खुल्ले पैसे) ले रहा था। तलाशी लेने पर, ₹500 के 16 नकली नोट (कुल ₹8,000 मूल्य के) बरामद किए गए। आरोपी ने

बताया कि ये नकली नोट

उसे अशोक नाम के

व्यक्ति से मिले थे। आरा

पी को नकली नोटों के

साथ जरूरी कानूनी

कार्रवाई के लिए गोशा

महल पुलिस स्टेशन लाया गया।

गोशामहल पुलिस ने ठेके की धारा 179, 180,

318(4) और 3(5) के तहत केस नंबर 35942026

दर्ज किया। पूछताछ के दौरान, आरोपी (1-1) ने

कबूल किया कि उसने अपने दोस्त अशोक से ₹500

के नकली नोट लिए थे और उन्हें छोटे विक्रेताओं

के बीच चलाया था। हर नोट के बदले उसने ₹400

के असली नोट लिए थे। आरोपी को गिरफ्तार कर

न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वरिष्ठ

अधिकारियों के निर्देशानुसार, इस मामले के स्रोत

और इसमें शामिल नेटवर्क का पता लगाने और

आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने के

लिए आगे की जांच की जा रही है।

गोशामहल पुलिस की त्वरित कार्रवाई हैदराबाद

शहर की पुलिस की कानून-व्यवस्था बनाए रखने

और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की

प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ऐसी गैर-कानूनी और

विघटनकारी गतिविधियों में शामिल लोगों के

खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच जारी है

और कानून के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई

की जाएगी। जनता से बचाने के लिए लोगों का

गोशामहल पुलिस सभी छोटे विक्रेताओं, दुकानदार,

सड़क किनारे सामान बेचने वालों और आम जनता से अपील करती है कि वे नकली नोटों, खासकर ₹500 के नोटों के चलन के प्रति सतर्क रहें।

जनता को सलाह दी जाती है कि वे नोट लेने से पहले उनकी अच्छी तरह जांच कर लें। खासकर भीड़-भाड़ वाले समय या जल्दबाजी की स्थिति में। विक्रेताओं और दुकानदारों से अनुरोध है कि वे नोटों के सुरक्षा फीचर्स की जांच करें और अगर उन्हें किसी नोट की असलियत पर शक हो, तो उसे न लें। यदि कोई व्यक्ति नकली होने के संदेह वाले नोट को चलाने या देने की कोशिश करता हुआ पाया जाए, तो उससे उलझें या बहस न करें। यदि संभव हो, तो उस व्यक्ति के हथियार और अन्य संबंधित विवरणों को नोट कर लें और तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन या डायल-100 पर सूचित करें। नकली नोटों के चलन को रोकने और जनता को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए लोगों का सहयोग जरूरी है। हस्ताक्षर—(बी. श्रवण कुमार), पुलिस इंस्पेक्टर,

इस्तीफा देकर उपचुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों से मुआवजा वसूलने का आद. 'श नहीं दिया जा सकता: हाई कोर्ट

चेन्नई: मद्रास हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह भारत निर्वाचन आयोग (म्ब) को उन उम्मीदवारों से मुआवजा वसूलने का आदेश नहीं दे सकता जो इस्तीफा देकर दोबारा उपचुनाव लड़ते हैं। अप्रैल में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद मदुरातकम (डंकनतंदजीत), तारापुरम, अम्बासमुद्रम (उडैउनकतंत), पेरुदुरई (थलनदकनतंत), करूर और विरालीमलाई (टपतंसपतंसप) निर्वाचन क्षेत्रों से चुने गए छह एम्बेड्ड विधायकों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और जट्ट में शामिल हो गए। हाई कोर्ट ने अम्बासमुद्रम, पेरुदुरई, करूर, विरालीमलाई और त्रिवी पूर्व सीटों पर उपचुनाव की घोषणा पर रोक लगा दी है, जहां चुनाव मामले लंबित हैं, जबकि चुनाव आयोग ने मदुरातकम और तारापुरम निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उपचुनाव की घोषणा कर दी है।



चेन्नई के सैदापेट के वकील सुधन ने मद्रास हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है, जिसमें चुनाव आयोग को यह आदेश देने की मांग की गई है कि वह उम्मीदवारों द्वारा उपचुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते समय चुनाव खर्च जमा करने की एक उचित प्रक्रिया तैयार करे। याचिका में कहा गया है कि जहां विधायकों के अपने राजनीतिक कारणों से इस्तीफा देने के कारण सरकारी खर्च पर उपचुनाव कराने पड़ते हैं, वहां उन्हें इन खर्चों के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए उचित प्रक्रियाएं तैयार की जानी चाहिए। इसके अलावा, याचिका में यह अनुरोध किया गया है कि एक ऐसा कानून बनाने के लिए अध्ययन किया जाए जो उन लोगों को चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा के कुछ ही समय बाद राजनीतिक कारणों से अपने पद से इस्तीफा देने और जनता के जनादेश की उपेक्षा करने पर, एक निश्चित अवधि के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर सके। याचिका में अनुरोध किया गया है कि मामला सुलझने तक मदुरातकम और तारापुरम निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनावों पर रोक लगाई जाए, और चुनाव आयोग को पूर्व विधायकों मरागाथम कुमारवेल (डंताईजीत इनवतअमस) और सत्यमामा (जीपलईत) के नामांकन पत्र स्वीकार करने से रोका जाए, जिन्हें इन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया है। इसी तरह, याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि चुनाव आयोग को त्रिवी पूर्व, करूर, विरालीमलाई, पेरुदुरई, अम्बासमुद्रम, मदुरातकम और तारापुरम निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उपचुनाव कराने में हुए खर्च पर एक रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया जाए। यह मामला चीफ जस्टिस एसए धर्माधिकारी और जस्टिस जी अरुल मुगुन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिंगरवेलन ने कहा, "उम्मीदवारों ने लोगों के जनादेश को खारिज कर दिया और दूसरी पार्टी में शामिल होने के लिए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इसलिए, मरागाथम कुमारवेल और सत्यमामा दोनों को चुनाव लड़ने से रोक दिया जाना चाहिए। एक पार्टी से चुने जाना और फिर उसे छोड़कर दूसरी पार्टी में चुनाव लड़ना दल-बदल कानून से बचना है।" चुनाव आयोग की ओर से पेश वकील ने कहा, "याचिकाकर्ता के अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकता है। लोकतांत्रिक तरीके से इस्तीफा देने वाले किसी सदस्य के दोबारा चुनाव लड़ने पर कोई रोक नहीं है।" कोर्ट ने कहा, "इस मामले में किस आधार पर आदेश जारी किया जा सकता है? इस्तीफा देने और फिर से चुनाव लड़ने वालों से मुआवजा वसूलने का अभी तक कोई कानून नहीं है। किसी भी कानून के अभाव में, अदालत मुआवजा वसूलने का आदेश कैसे जारी कर सकती है? अदालत कानून नहीं बना सकती, अदालत सिर्फ वस्तावेजों के आधार पर ही यह जांच कर सकती है कि क्या सही है और क्या गलत। पीठ ने कहा, "चुनाव आयोग को उम्मीदवारों से चुनाव खर्च वसूलने और उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने का आदेश नहीं दिया जा सकता। कोर्ट चुनाव आयोग को उम्मीदवारों से चुनाव खर्च वसूलने के लिए कानून बनाने का आदेश कैसे दे सकता है?"

मीडिया रिपोर्ट में दो चुनाव आयुक्तों द्वारा 14 बार आपत्ति जताने के दावे के बाद राहुल गांधी ने सरकार और म्ब को घेरा।

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'देशद्रोही' बताया, क्योंकि उन्होंने भारत के वोट को 'बर्बाद' किया है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के तुरंत इस्तीफे की मांग की।



बता दें कि बुधवार को आई एक मीडिया रिपोर्ट से पता चला कि 10 महीनों के अंदर, दो चुनाव आयुक्तों — विवेक जोशी और सुखवीर सिंह संधू — ने 14 बार चुनाव आयोग द्वारा उठाए गए दूसरे कदमों से जुड़े मामलों पर 14 बार आपत्ति जताई थीं। राहुल गांधी ने गुरुवार को यहां इंदिरा भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयुक्त और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कहा कि यह संविधान और देश के कानूनी ढांचे पर हमला है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मोदी और शाह ने देश के साथ जो किया है, उसकी जांच की जाएगी, कुमार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि म्ब ने जो किया है, वह भारतीय राष्ट्र के खिलाफ एक काम है। गांधी ने कहा कि कुमार को उनका सुझाव है कि उन्हें सरकारी गवाह बन जाना चाहिए क्योंकि यह राष्ट्रवाद का काम होगा। राहुल गांधी ने कहा, "यह संविधान और देश के कानूनी ढांचे पर हमला है। आपको यह सुनिश्चित करना था कि वोट सुरक्षित रहे, हमारे पास इसे निश्चित रूप से साबित करने के लिए पर्याप्त जानकारी है। इसके नतीजे होंगे, हम लोकतंत्र को बर्बाद होते हुए देखकर चुप नहीं बैठेंगे।" गांधी ने कहा, "पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह, दोनों की जांच होगी कि क्या किया जा रहा है। वे इस साजिश में सबसे ऊपर हैं और उन्होंने देश के साथ जो किया है, उसके लिए उनकी जांच की जाएगी।" राहुल गांधी ने कुछ वीडियो दिखाए और लोगों से मोदी और शाह के लहजे को सुनने के लिए कहा। वीडियो में शाह को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उम्र 30 साल तक सत्ता में रहेगी और प्रधानमंत्री को 'अवकी बार 400 पार' का नारा लगाते हुए सुना जा सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक माहौल में काम करने वाला कोई भी राजनीतिक नेता ऐसे बयान नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि भारत में 'एंटी-इंकम्बेंसी' नाम की एक बुनियादी ताकत होती है जो विरोध करना शुरू कर देती है और यह किसी को नहीं बख्शती। राहुल गांधी ने कहा— भारत में एंटी-इनकम्बेंसी हर सरकार को प्रभावित करती है, लेकिन मोदी, शाह और बीजेपी पर यह गायब हो जाती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश युद्ध जीता था और उनकी अपार लोकप्रियता थी, फिर भी एक-दो साल के अंदर ही भारी एंटी-इनकम्बेंसी आ गई थी।



फूट से अधिक का एक समर्पित कार्यालय परिसर है। इस इमारत की पूरी पांचवीं मंजिल और चौथी तथा छठी मंजिल की कुछ जगह एनटीए को दी गई है। पिछले एक महीने में गोपनीय और संवेदनशील कामकाज को नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है। सीबीआई की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि तीनों आरोपी विशेषज्ञों की हरकतों का इसलिए पता नहीं चल पाया क्योंकि राष्ट्रीय

राजधानी में स्थित एनटीए कार्यालय में सीसीटीवी लाइव फीड की निगरानी के लिए कोई अलग नियंत्रण कक्ष नहीं था। नए परिसर में निगरानी की योजना के बारे में अधिकारी ने कहा, 'भवन में गोपनीय क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां आपाजाही और कामकाज पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी ताकि पूरी तरह सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। गृह मंत्रालय ने परिसर के लिए केंद्रीय

नई दिल्ली: राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक और प्रशासनिक खामियों को लेकर हुए बड़े विवाद के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के नए कार्यालय में कामकाज शुरू होने पर 'गोपनीय क्षेत्रों' में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कर्मी तैनात किए जाएंगे।

यह कदम इस साल की शुरुआत में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-स्नातक का प्रश्नपत्र लीक होने के बाद उठाया गया है। इस मामले को लेकर देशभर में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए थे, जिसके बाद तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था।

प्रधान के इस्तीफे के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा सुधारों की सिफारिश करने के लिए इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कार्यबल के गठन की घोषणा की थी। इस समिति ने अभी अपनी रिपोर्ट नहीं सौंपी है। प्रश्नपत्र लीक मामले में दायर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के आरोपपत्र में तीन विषय विशेषज्ञों को प्रश्नपत्र लीक का मुख्य सूत्रधार बताया गया है। आरोप पत्र में कहा गया है कि एनटीए के गोपनीय विभाग में प्रवेश या बाहर निकलने के दौरान विशेषज्ञों की कोई जांच या तलाशी नहीं होती थी। आरोप पत्र के अनुसार इससे विशेषज्ञों को छोटे कामकाज के टुकड़ों पर प्रश्नपत्रों के सवाल लिखकर ले जाने का मौका मिला। साल 2017 में निष्पक्ष, पारदर्शी और मानकीकृत परीक्षाएं कराने के लिए स्थापित एनटीए में अब तक ओखला स्थित इसके कार्यालय से कामकाज किया जा रहा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'मिटो रोड स्थित भारत सरकार प्रेस भवन में 55 हजार वर्ग

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा पर आपा खोने और युवक को थप्पड़ मारने का आरोप लगा है. घटना के बाद 'आप' ने कड़ी निंदा की..



नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में एक निर्माणाधीन सड़क के निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम प्रवेश वर्मा और स्थानीय विधायक जरनैल सिंह के बीच विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर तीखी नोकझोंक हुई. इस दौरान मौके पर मौजूद एक स्थानीय युवक को कथित तौर पर थप्पड़ मारे जाने का मामला सामने आया है. घटना के बाद से आम आदमी पार्टी (आप) हमलावर हो गई और पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने जा पहुंची. बता दें कि मंत्री प्रवेश वर्मा इलाके में एक निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे थे. मौके पर स्थानीय विधायक जरनैल सिंह भी वहां पहुंच गए. विधायक ने सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता और मानकों पर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए. विधायक और उनके साथ के लोगों ने हाथ से सड़क की परत उठाकर मंत्री को दिखाया. देखते ही देखते दोनों नेताओं और उनके समर्थकों के बीच तीखी बहस छिड़ गई. आरोप है कि जब एक युवक इस पूरी घटना और बहस का वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था, तो मंत्री प्रवेश वर्मा ने अपना आपा खो दिया और कथित तौर पर उस युवक को थप्पड़ जड़ दिया, जो वीडियो में भी कैद हो गया. आप ने बोला तीखा हमला: आप के संयोजक ने अरविंद केजरीवाल इस घटना के बाद एक्स पर लिखा, "मंत्री को गिरफ्तार करो, मैं कल यहीं जाऊंगा". आप प्रदेश अध्यक्ष सोहन भारद्वाज ने घटना की कड़ी निंदा की है. "एक्स" पर वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "प्रवेश वर्मा का शर्मनाक व्यवहार, प्रवेश वर्मा ने कैमरामैन को थप्पड़ मारा. मंत्री ने गुरसे में आकर एक कैमरामैन को थप्पड़ मार दिया. पुलिस सुरक्षा में मौजूद बच्चे पर हाथ उठाकर आपने अपनी ही अमदना का परिचय दिया है. विकासपुरी थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंची आप: घटना के बाद आम आदमी पार्टी के खेमे में भारी आक्रोश है. स्थानीय विधायक जरनैल सिंह के नेतृत्व में पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ताओं ने विकासपुरी थाने का रुख किया. विधायक ने घोषणा की है कि वे मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ इस अमर और हिंसक आचरण के संबंध में औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे. फिलहाल, इस घटना के बाद से इलाके में राजनीतिक सगर्मी काफी बढ़ गई है और दोनों दलों के बीच तीखा बयानबाजी का दौर जारी है. पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई के फुटेज और चरमदीनों के बयानों की जांच कर रही है.

संजीव चतुर्वेदी की सुनवाई से एक और जज का किनारा, 17 पहुंचा रिक्कूजल का आंकड़ा

देहरादून: उत्तराखंड कैडर के आईएफएस अधिकारी संजीव चतुर्वेदी से जुड़े न्यायिक मामलों में सुनवाई से अलग होने वाले न्यायाधीशों और न्यायिक सदस्यों की संख्या अब 17 तक पहुंच गई है. ताजा मामला केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) की दिल्ली पीठ से जुड़ा है. जहां न्यायमूर्ति राजवीर सिंह वर्मा ने चतुर्वेदी से संबंधित मामलों की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया है. हालांकि आदेश में इसके पीछे की वजह का साफ नहीं किया गया है. मई 2025 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के संदर्भ में मामला ताजा मामला उत्तराखंड सरकार की ओर से नवंबर 2021 में जारी उस आदेश को चुनौती देने से संबंधित है जो आईएफएस अधिकारियों की मूल्यांकन रिपोर्ट के दौरान से जुड़ा है. इस मामले की सुनवाई मई 2025 में आए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के संदर्भ में भी देखी जा रही है. न्यायमूर्ति राजवीर सिंह वर्मा के अलग होने के बाद एक बार फिर चतुर्वेदी से जुड़े मामलों में न्यायिक अधिकारियों के रिक्कूजल का सिलसिला चर्चा में है. सुप्रीम कोर्ट से कैट तक कई न्यायिक अधिकारी अलग हो चुके हैं. संजीव चतुर्वेदी से जुड़े अलग अलग प्रकरणों की सुनवाई से अब तक सर्वोच्च न्यायालय के दो न्यायाधीश नैनीताल हाईकोर्ट के चार न्यायाधीशों के अध्यक्ष समेत नौ न्यायाधीश एवं सदस्य और जिला न्यायाधिका के दो न्यायिक अधिकारी स्वयं को अलग कर चुके हैं. खास बात यह है कि इन रिक्कूजल आदेशों में अधिकांश मामलों में अलग होने की वजह स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं की गई है. नैनीताल हाईकोर्ट में भी हुआ रिक्कूजल: सितंबर और अक्टूबर 2025 में नैनीताल हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आलोक वर्मा और न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी ने संजीव चतुर्वेदी की ओर से दायर अवमानना मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया था. इससे पहले फरवरी 2024 में न्यायमूर्ति मनोज तिवारी ने चतुर्वेदी की केंद्रीय प्रतिनिधित्व से संबंधित मामले की सुनवाई से खुद को अलग किया था. मई 2023 में न्यायमूर्ति राकेश धरपालिया ने भी चतुर्वेदी की मूल्यांकन रिपोर्ट से जुड़े मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया था. सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीश भी सुनवाई से हट चुके हैं: संजीव चतुर्वेदी से जुड़े मामलों में रिक्कूजल का सिलसिला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था. नवंबर 2013 में तत्कालीन न्यायमूर्ति रंजन गो गोई ने चतुर्वेदी की ओर से दायर एक मामले की सुनवाई से खुद को अलग किया. इसके बाद अगस्त 2016 में न्यायमूर्ति युयु ललित ने भी इसी मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग किया. यह प्रकरण हरियाणा में चतुर्वेदी की ओर से उठाए गए कथित भ्रष्टाचार के मामलों की सीबीआई जांच की मांग से जुड़ा था. कैट में भी कई बार बदला सुनवाई का न्यायिक मंच: केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण में भी चतुर्वेदी से जुड़े मामलों में न्यायिक सदस्यों के रिक्कूजल के कई मामले सामने आए हैं. मार्च 2019 में तत्कालीन कैट अध्यक्ष न्यायमूर्ति एल. नरसिम्हा रेड्डी ने



'चलो विजयवाड़ा' कर्मचारियों की क्या मांगें हैं?



सेक्रेटरीएट कर्मचारियों का आंदोलन 'चलो विजयवाड़ा' के पीछे मुख्य मांगें सैलरी, इंडीमेंट, प्रमोशन सरकार का मांगों पर फोकस

आंध्र प्रदेश में, गांव और वार्ड सेक्रेटरीएट कर्मचारियों ने एक बार फिर आंदोलन का रास्ता अपनाया है। उन्होंने अपनी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को हल करने के लिए 'चलो विजयवाड़ा' का आह्वान किया है। कर्मचारी यूनियन मुख्य रूप से नेशनल इंडीमेंट देने, पेंडिंग सैलरी एरियर जारी करने और प्रमोशन के लिए एक परमानेंट सिस्टम बनाने जैसी मांगों का जिक्र कर



कर्मचारियों का आरोप है कि प्रमोशन और दूसरे सर्विस बेंचिफिट्स में उनके साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है। सेक्रेटरीएट कर्मचारियों की समस्याएं नई नहीं हैं। पहले भी कर्मचारियों ने अपनी मांगों को मनवाने के लिए अलग-अलग जगहों पर विरोध प्रदर्शन किए हैं। विशाखापत्तनम में आंदोलन के दौरान, कर्मचारियों ने नौ महीने के इंडीमेंट और 30,000 रुपये की न्यूनतम मजदूरी की मांग की। अब, उन्होंने अपनी समस्याओं को पूरे राज्य में सरकार के ध्यान में लाने के लिए विजयवाड़ा में आंदोलन

शुरू कर दिया है। कर्मचारी यूनियनों का कहना है कि वे तन, इंडीमेंट, प्रमोशन और सर्विस बेंचिफिट उनकी जाँच सिक्वोरिटी से जुड़े मुद्दे हैं।

हालांकि, पुलिस ने पहले ही साफ कर दिया था कि बारिश और गणेश विसर्जन के मद्देनजर विजयवाड़ा में विरोध प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। बिना इजाजत विरोध न करने की चेतावनी के बावजूद, बड़ी संख्या में कर्मचारियों के घरना चौक पहुंचने पर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वहीं, सिक्वोरिटी ड्यूटी पर तैनात 8 अहमद अली की मौत ने आंदोलन को और भी दुखद बना दिया। उनकी मौत के मेडिकल कारणों पर ऑफिशियल क्लैरिटी की जरूरत है।

ममता के विधायक कुणाल घोष पर एक बार फिर जानलेवा हमला! लगातार दो दिन हमले के पीछे क्या है बड़ी साजिश?

कोलकाता: टीएमसी ममता गुट के विधायक कुणाल घोष की कार पर रविवार 27 सितंबर को फिर से हमला हुआ है. इस बार उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र बेलेघाटा में यह घटना घटी. तृणमूल कांग्रेस के विधायक का आरोप है कि रविवार सुबह जब वे एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे, तभी 15-20 बाइक सवारों के एक गिरोह ने उनकी गाड़ी का पीछा किया, उनका रास्ता रोका और फूलबागान इलाके में हमला कर दिया. कुणाल घोष का दावा है कि कुछ हमलावरों के पास रिवॉल्वर थीं और उन्होंने कार के शीशे तोड़ने के लिए हथौडों का इस्तेमाल किया. उनके सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को संभाला. आखिरकार, विधायक किसी तरह गाड़ी को मोड़ने में सफल रहे. उन्होंने नारकैलडंगा थाने में जाकर शरण ली. बता दें कि शनिवार 26 सितंबर को भी जब वो ममता की सभा में भाग लेने जा रहे थे तभी उनकी गाड़ी पर हमला किया गया था. कुणाल का दावा है कि रविवार सुबह जब से वे अपने घर से निकले थे, तभी से कई मोटरसाइकिल सवार उनकी कार का पीछा कर रहे थे. वे बेलेघाटा के वार्ड नंबर 36 में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे. फूलबागान के पास बाइकों ने अचानक उनकी कार को ओवरटेक किया और सड़क को जाम कर दिया. इसी के बाद गाड़ी में तोड़फोड़ करने की कोशिश शुरू हुई. थाने में कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि उन पुलिस सूत्रों का कहना है कि आसपास के इलाके के सीसीटीवी (ब्लूट) फुटेज की जांच की जा रही है और उनके नाम पुलिस को सौंप दिए गए हैं. और प्रत्यक्षदर्शियों (आईविटनेस) के बयान दर्ज किए जा रहे हैं. लगातार दो दिनों में दो अलग-अलग जगहों पर टीएमसी विधायक कुणाल घोष की गाड़ी पर हुए हमलों के आरोपों से राजनीतिक माहौल



गरमा गया है. रविवार की घटना के बाद, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने हमले की निंदा की और राज्यपाल से पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई थी. उन्होंने दावा किया कि कुछ हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उनके नाम पुलिस को सौंप दिए गए हैं. कुणाल ने इस घटना में बीजेपी का हाथ होने का आरोप लगाया है. कुणाल घोष ने शनिवार को हुई उत्तरपारा की घटना को लेकर भी बीजेपी पर उंगली उठाई थी.

हो सकती है. उनके मुताबिक, हालांकि किसी भी जनप्रतिनिधि पर हमला करना गलत है और उसे सही नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन इस मामले के लिए बीजेपी पर दोष मढ़ना भी बिल्कुल गलत है. कोलकाता पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है. पुलिस सूत्रों का कहना है कि आसपास के इलाके के सीसीटीवी (ब्लूट) फुटेज की जांच की जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों (आईविटनेस) के बयान दर्ज किए जा रहे हैं. लगातार दो दिनों में दो अलग-अलग जगहों पर टीएमसी विधायक कुणाल घोष की गाड़ी पर हुए हमलों के आरोपों से राजनीतिक माहौल गरमा गया है. रविवार की घटना के बाद, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक

कूनों में नामीबियाई चीता गौरव की मौत, 10 साल से अधिक थी उम्र, भारत में अब 55 चीते

स्थोपुर: कूनों नेशनल पार्क से प्रोजेक्ट चीता के लिए एक दुःखद खबर सामने आई है. नामीबिया से भारत लाए गए चीता गौरव की सोमवार 21 सितंबर 2026 को उपचार के दौरान मौत हो गई. गौरव की उम्र 10 वर्ष से अधिक बताई गई है. चीता गौरव का 12 सितंबर को जंगल से रेस्क्यू किया गया सोमवार की शाम कूनों नेशनल पार्क की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, 12 सितंबर 2026 को गौरव को जंगल से रेस्क्यू किया गया था. निगरानी के दौरान वह कमजोर और सुरत नजर आया था. चिकित्सकीय जांच में वह बेहद कमजोर पाया गया और उसके शरीर में मांसपेशियों की क्षति तथा गंभीर डिहाइड्रेशन के लक्षण दिखाई दिए. छंउपड़पंद बीममजी खंततज कपमे पर इनदव कूनों नेशनल पार्क की ओर से जारी प्रेस नोट (फूट) त्ततगौरव की मौत का सटक कारण पोस्टमार्टम के बाद पता चलेगा. इसके बाद गौरव को तत्काल उपचार दिया गया और बेहतर निगरानी एवं आगे के प्रबंधन के लिए पालपुर स्थित क्वार्टरटीन बोमा (फूट) में रखा

गया. प्रारंभिक चिकित्सकीय जांच में उसके शरीर में किसी अंतर्निहित पुरानी बीमारी की आशंका



जताई गई थी. लगातार उपचार और देखभाल के बावजूद गौरव की हालत में सुधार नहीं हो सका और 21 सितंबर को शाम करीब 4 बजे उसने दम

तोड़ दिया. अधिकारियों के मुताबिक, गौरव की मौत का सटीक कारण पोस्टमार्टम और लिए गए सैंपलों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा.

कूनों नेशनल पार्क के डिप्टी डायरेक्टर आर. थिरुकरल ने बताया कि "12 सितंबर 2026 को गौरव को जंगल से रेस्क्यू किया गया था. निगरानी के दौरान वह कमजोर और सुरत नजर आया था. चिकित्सकीय जांच में वह बेहद कमजोर पाया गया और उसके शरीर में मांसपेशियों की क्षति तथा गंभीर डिहाइड्रेशन के लक्षण दिखाई दिए. गौरव को तत्काल उपचार दिया गया और बेहतर निगरानी एवं आगे के प्रबंधन के लिए पालपुर स्थित क्वार्टरटीन बोमा (फूट) में रखा गया. प्रारंभिक चिकित्सकीय जांच में उसके शरीर में किसी अंतर्निहित पुरानी बीमारी की आशंका जताई गई. मौत का अंतिम कारण पोस्टमार्टम और सैंपल जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा."

गई. मौत का अंतिम कारण पोस्टमार्टम और सैंपल जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा."

क्या आपका प्रेशर कुकर भी ठीक से नहीं कर रहा है काम? तो नया खरीदने से पहले ये चीजें जरूर कर लें चेक



आज हमारे किचन में ओवन, माइक्रोवेव और एयर फ्रायर जैसे कितने भी मॉडर्न अप्लायंस आ जाएं, प्रेशर कुकर की जगह कोई नहीं ले सकता है। यह भारतीय किचन में एक जरूरी और खास अप्लायंस बना हुआ है, जो न सिर्फ समय और गैस की बचत करता है, बल्कि कामकाजी और व्यस्त जिंदगी में एक बेहतरीन मददगार की भूमिका निभाता है। सुबह की आपाधापी में झटपट आलू उबालें, दाल बनानी हो या रात को थकान के बाद जल्दी से गरमा-गरम खिचड़ी या पुलाव तैयार करना हो, कुकर हमेशा काम आसान कर देता है, लेकिन, यह झुझलाहट भरा होता है जब हम रोज जो दाल बनाते हैं, उसे पकने में बहुत ज्यादा समय लगता है, कभी-कभी तो दस सीटी बजने के बाद भी वह ठीक से नहीं गल पाती। ऐसे में, तुरंत प्रेशर कुकर बदलने का ख्याल आ सकता है। फिर भी, एक्सपर्ट्स का कहना है कि नया कुकर खरीदने के बारे में सोचने से पहले, कुछ आम और छोटी-मोटी समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए, अक्सर कुछ आसान बातों का ध्यान रखकर इस समस्या को आसानी से हल किया जा सकता है। आइए, कुकर में खाना पकाने में होने वाली देरी के मुख्य कारणों और उनके आसान समाधानों पर करीब से नजर डालें... गैस्केट की समस्याएं प्रेशर कुकर के ढक्कन पर लगी रबर की गैस्केट सही प्रेशर बनाए रखने का काम करती है। अगर यह रबर की रिंग घिस जाए, सख्त हो जाए या उसमें दरार आ जाए, तो भाप बाहर निकलने लगेगी। इससे भाप अंदर नहीं रुकती और खाना जल्दी नहीं पक पाता। इसका समाधान आसान है, अगर गैस्केट खराब हो गई है, तो तुरंत नई गैस्केट खरीदें और बिना किसी हिचकिचाहट के उसे बदल लें। वजन और प्रेशर रिलीज वाल्व कुकर के ढक्कन पर लगा छोटा वाल्व और सीटी वाला हिस्सा बहुत जरूरी है, खाना पकाते समय, खाने के कण या स्टार्च वाला पानी (जैसे दाल का पानी) इस हिस्से में फंस सकता है, जिससे भाप ठीक से नहीं बन पाती

या बाहर नहीं निकल पाती। इसका उपाय यह है कि खाना पकाने के बाद हमेशा वाल्व के आस-पास की जगह को साफ करें, अगर वाल्व खराब हो जाए, तो उसे चाकू या सुई से खुद ठीक करने की कोशिश करने के बजाय नया वाल्व लगाना ज्यादा सुरक्षित है।

क्या किनारों से भाप निकल रही है? अगर प्रेशर कुकर की सीटी से भाप निकलने के बजाय ढक्कन के किनारों से लगातार भाप निकल रही है, तो इसका मतलब है कि अंदर सही प्रेशर नहीं बन रहा है। यह एक आम समस्या है जिसे आसानी से ठीक किया जा सकता है। ऐसा तब हो सकता है जब गैस्केट ठीक से न लगा हो या ढक्कन के किनारे पर खाने के कण चिपके हों। इस समस्या को ठीक करने के लिए, खाना पकाने से पहले कुकर के किनारे और गैस्केट को अच्छी तरह साफ करें और पक्का करें कि ढक्कन ठीक से बंद है। कुकर में जरूरत से ज्यादा खाना भरना सिर्फ इसलिए प्रेशर कुकर को ऊपर तक भरना कि उसमें जगह है, एक बुरी आदत है। भाप बनने और खाना उबलकर फूलने के लिए अंदर कुछ जगह होनी चाहिए, ज्यादा भरने से (खासकर जब ज्यादा मात्रा में गर्म खाना पका रहे हों) वाल्व जाम हो सकता है और खतरनाक स्थिति बन सकती है। इसका हल यह है कि कुकर को कभी भी तय मैक्सिमम लेवल से ज्यादा न भरें।

पानी की मात्रा बहुत जरूरी है प्रेशर कुकर भाप के सिद्धांत पर काम करते हैं, अगर पानी बहुत कम हो, तो खाना चिपक सकता है और जल सकता है, या ठीक से नहीं पकेगा और सख्त रह जाएगा। इसके उलट, अगर बहुत ज्यादा पानी डाल दिया जाए, तो चीजों को उबलने और सीटी बजने में बहुत ज्यादा समय लगेगा। इसका उपाय यह है कि जो डिश बनाई जा रही है, उसकी जरूरत के हिसाब से पानी नापकर डाला जाए, इससे खाना पकाने का समय कंट्रोल में रहता है। स्टोव का प्रलेम भले ही प्रेशर कुकर में कोई खराबी न हो, लेकिन गैस स्टोव की दिक्कतों की वजह से खाना पकाने में देरी हो सकती है, अगर स्टोव के बर्नर के छेद बंद हैं और लौ धीमी या असमान है, तो कुकर सही तापमान तक नहीं पहुंच पाएगा। इसका समाधान यह है कि बर्नर असेंबली को समय-समय पर साफ करें और खाना पकाते समय एक जैसी, स्थिर लौ का इस्तेमाल करें। कुकर के बेस का आकार कुकर को स्टोव पर ठीक से और बराबर बैठाना चाहिए। सालों तक इस्तेमाल करने या गलती से गिर जाने की वजह से कुकर का बेस टेढ़ा-मेढ़ा हो सकता है, जिससे गर्मी ठीक से नहीं फैलती। सबसे अच्छा तरीका यह है कि खराब बेस वाले

इन चार तरह के नट्स को खाने से वजन घटाने में मिलती है मदद, जानिए इनका सेवन किस तरह करना चाहिए

आजकल बहुत से लोग मोटापे से जुझ रहे हैं और वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं। लोग अक्सर मानते हैं कि वजन कम करने के लिए कम खाना या स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो करना जरूरी है। हालांकि, आप न्यूट्रिएंट्स से भरपूर खाना खाकर अपना वजन मैनेज कर सकते हैं। नट्स इसका एक उदाहरण हैं। वे शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स देकर वजन घटाने में अहम भूमिका निभाते हैं। नट्स में फाइबर, हेल्दी फैट, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल भरपूर होते हैं जिनकी शरीर को जरूरत होती है। ये आपको ज्यादा देर तक पेट भरा हुआ महसूस कराते हैं और बेवजह स्नैक खाने की इच्छा को रोकते हैं। नट्स में मौजूद फाइबर पाचन संबंधी समस्याओं को रोकने में मदद करता है, जबकि प्रोटीन और फाइबर का कॉम्बिनेशन भूख को कंट्रोल करने में मदद करता है। इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना भी आसान है। आइए अब चार तरह के नट्स देखते हैं जो वजन घटाने में मदद करते हैं और उन्हें खाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है... 1. चिया सीड्स- हार्बर्ड की रिसर्व के अनुसार, चिया सीड्स पानी सोखकर जेल में बदल जाते हैं, सिर्फ दो बड़े चम्मच चिया सीड्स में लगभग 10 ग्राम फाइबर के साथ-साथ प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, कैल्शियम और मैग्नीशियम भी होता है। ये वजन घटाने में मदद करते हैं। इसे ऐसे खाएं: बड़े चम्मच चिया सीड्स, 1 कप दूध (बादाम या सोया मिल्क), बेरीज और एक चुटकी दालचीनी पाउडर लें। चिया सीड्स को दूध में मिलाएं और रात भर के लिए फ्रिज में रख दें। सुबह इसमें बेरीज और दालचीनी पाउडर मिलाएं और नाश्ते में इसका मजा लें। 2. अलसी के बीज: नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में छपी एक स्टडी के अनुसार, अलसी के बीजों में घुलनशील फाइबर होता है। यह आंतों में जेल जैसी परत बनाता है और पाचन को धीमा कर देता है, जिससे आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। जब अलसी के बीजों को साबुत खाने के बजाय पीसकर खाया जाता है, तो शरीर पोषक तत्वों



को ज्यादा आसानी से सोख पाता है। आप 1 कप दही (ग्रीक योगर्ट और भी बेहतर है) में 1 बड़ा चम्मच अलसी के बीज का पाउडर, केले के टुकड़े और कुछ सूखे मेवे मिलाकर एक हेल्दी नाश्ता तैयार कर सकते हैं। 3. सूरजमुखी के बीज: बेमदबम कपतमबज में छपी एक स्टडी के अनुसार, सूरजमुखी के बीज में हेल्दी फैट और प्रोटीन भरपूर मात्रा में होते हैं। यह भूख को कंट्रोल करने और आपको जंक फूड खाने से रोकने में मदद कर सकते हैं। इनमें विटामिन E, हेल्दी अनसैचुरेटेड फैट, मैग्नीशियम और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इसे ऐसे खाएं: 2-2 बड़े चम्मच सूरजमुखी के बीज, बादाम, अखरोट और किशमिश या खजूर लें, इन सबको एक साथ मिलाएं और इस मिक्सचर को एक एयरटाइट डिब्बे में रखें ताकि जब भी भूख लगे, आप गुड्री भर बीज खा सकें। 4. सब्जी के बीज: नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सब्जी के बीज को पानी में भिगोने पर फूलकर जेल जैसे हो जाते हैं। ये न सिर्फ शरीर को ठंडक देते हैं, बल्कि इनमें कैलोरी भी कम होती है और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करते हैं। इनमें डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व होते हैं। इसे ऐसे खाएं: 1 चम्मच सब्जी या तुलसी के बीज, 1 गिलास पानी, आधे नींबू का रस और बर्फ के टुकड़े (ऑप्शनल)। सब्जी के बीजों को 15-20 मिनट के लिए पानी में भिगो दें, जब वे फूल जाएं, तो नींबू का रस डालें और मिक्सचर पी लें ध्यान देने वाली बात

ध्यान रखें कि नट्स और सीड्स सेहत के लिए फायदेमंद तो होते हैं, लेकिन उनमें कैलोरी ज्यादा होती है, इसलिए, दिन में 1 से 2 चम्मच से ज्यादा न खाएं। हाई-फाइबर वाली चीजें खाने के बाद पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है, नहीं तो, कब्ज और ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। नट्स और सीड्स वजन घटाने में मदद कर सकते हैं, लेकिन वे अकेले सॉल्यूशन नहीं हैं। बैलेंस्ड डाइट, रेगुलर एक्सरसाइज और पुरी नींद भी जरूरी है। अलसी के बीजों को हमेशा भूनकर और पीसकर खाना चाहिए, क्योंकि उन्हें साबुत खाने से ये बिना पचाए

अनंत चतुर्दशी पूजा सामग्री लिस्ट: 14 गांठों वाले अनंत धागे से लेकर भोग तक, नोट करें पूरी सूची



अनंत चतुर्दशी सनातन धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो हर साल माघपक्ष शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा-अर्चना करते हैं। इसके साथ ही इस दिन माता यमुना और शेषनाग की पूजा का भी विशेष महत्व माना जाता है। यह गणेशोत्सव

का आखिरी दिन भी होता है इसलिए इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणेश विसर्जन करते हैं। अनंत चतुर्दशी पर भगवान विष्णु के पूजन और अनंत धामा बनाने के लिए कुछ विशेष साम. ग्रियों की जरूरत होती है। चलिए इस बारे में आपको विस्तार से बताते हैं। अनंत चतुर्दशी पूजा सामग्री लिस्ट भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और

शेषनाग की तस्वीर गणेश जी की प्रतिमा वस्त्र-आभूषण गंगाजल एक लोटा जल अभिषेक और शुद्धि के लिए पीला वस्त्र चौकी पर बिछाने के लिए दीपक और रुई की बाती धूप बत्ती वाकपूर फल और मिठाई फूल, तुलसी दलअशोक के पत्त, सुषारदक्षिणा अनंतचतुर्दशी व्रत कथा की किताब अनंत सूत्र सामग्री लिस्ट अनंत सूत्र बनाने के लिए सूती या रेशमी धागा हल्दी की गांठ या केंसर अनंत धागे को रंगने के लिए 14 गांठ वाला बना बनाया अनंत सूत्र भी मार्केट से खरीद सकते हैं अनंत चतुर्दशी पूजा विधि अनंत चतुर्दशी के दिन एक चौकी पर पीले रंग का कपड़ा बिछाएं और उस पर भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित करें। भगवान विष्णु की ऐसी प्रतिमा लें जिसमें माता लक्ष्मी और शेषनाग भी रहें। इसके बाद भगवान को चंदन, हल्दी, शोली व केंसर से रिलक करें। फिर एक सूती या रेशमी धागे को हल्दी से रंगकर उसमें 14 गांठें लगा लें। फिर इस धागे को भगवान की प्रतिमा के समक्ष रखें। फिर भगवान को फूल, दुर्वा, अक्षत, सुषारी और तुलसी दल अर्पित करें। भगवान की प्रतिमा के समक्ष धूप और दीपक जलाएं। साथ ही भगवान को फल-मिठाई का भोग लगाएं। फिर अनंत चतुर्दशी की कथा सुनें। पूजा के बाद पुरुष अनंत सूत्र को अपने दाहिने हाथ में और महिलाएं बाएं हाथ में बांध लें। अंत में कपूर से आरती करें और भगवान से परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना करें।

फेडरल कोर्ट ने एंथ्रोपिक की चुनौती को किया खारिज, पेंटागन अपने सिस्टम से बसंनकम मॉडल को हटाना रखेगा जारी

हैदराबाद: पेंटागन के साथ एंथ्रोपिक के विवाद में एक नया मोड़ आया है। शुक्रवार को एक फेडरल अपील कोर्ट ने एंथ्रोपिक की उस चुनौती को खारिज कर दिया, जिसमें उसने सरकार द्वारा उसे 'सफ्टवेयर रिक' करार दिए जाने का विरोध किया था। इस फैसले के बाद पेंटागन अपने सिस्टम से एंथ्रोपिक के बसंनकम मॉडल को हटाना जारी रख सकता है और रक्षा विभाग के कामों में उसके उत्पादों के इस्तेमाल पर रोक लगा सकता है। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया सर्किट के लिए ९. कोर्ट ऑफ अपील के जजों ने पेंटागन के पक्ष में 2-1 से फैसला सुनाया। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता रॉन पार्नेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, "आज व सर्किट कोर्ट का फैसला डिफाटमेंट को रक्षा को पूरी तरह सही उहाराता है।" १८ कंपनी और सरकार के बीच विवाद फरवरी में तब शुरू हुआ, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एंथ्रोपिक पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया और कंपनी को सफ्टवेयर चेन के लिए आखिरी करार दिया। एंथ्रोपिक के व् डारियो अमोदेई ने इन चिंताओं के बावजूद पीछे हटने से इनकार कर दिया कि कंपनी के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर निगमों या खुद से चलने वाले इधियाओं से लैस ड्रोन के लिए किया जा सकता है। यह फैसला इस गर्मी में कैलिफोर्निया में आए उस फैसले से अलग है, जिसमें एक फेडरल जज ने पाया था कि पेंटागन ने १८ के इस्तेमाल पर अपनी राय की आलोचना करने के लिए १८ कंपनी को सजा देकर



गैर-कानूनी काम किया था। इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन, डी.सी. में दायर यह केस पेंटागन के एक अलग नियम पर केंद्रित था, जिसका इस्तेमाल करके वह हज्जीतवचन को सफ्टवेयर चेन के लिए जोखिम घोषित करने की कोशिश कर रहा था। बहुमत की राय में कहा गया है कि पेंटागन के पास अपने कदमों के लिए पर्याप्त आधार था। इसमें यह भी बताया गया है कि खुद एंथ्रोपिक ने माना है कि "कंपनी बसंनकम में ऐसी पाबंदियां लगाती है, जो मॉडल को उन कामों को करने से रोकती हैं, जिन्हें एंथ्रोपिक नहीं होने देना चाहता। "जज प्रेगरी जी. क्लारस ने बहुमत की राय में लिखा कि, "विभाग को उचित रूप से यह आशंका थी कि एंथ्रोपिक, बसंनकम के डिजाइन में

हेर-फेर कर सकता है, ताकि उसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े ये काम करने से रोक जा सके, जिन्हें विभाग अनुबंध के तहत अधिकृत और जरूरी मानता है।" बहुमत बनाने वाले काटसास और जज नियोमी राय, दोनों को ही ट्रंप ने नॉमिनेट किया था। असहमति जताने वाली एकमात्र जज, करेन लेक्नफर्ट हैंडरसन को रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने नॉमिनेट किया था, जजों ने कहा कि उन्हें इस बात पर शक करने की कोई वजह नहीं है कि एंथ्रोपिक, बसंनकम पर पाबंदी लगाने में नैक इरादों के साथ काम करता है, खासकर प्राइवेटरी और १८ सुरक्षा से जुड़ी थिंताओं के मामले में, लेकिन उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में सफ्टवेयर चेन रिक की परिभाषा इस बात पर

डिमेंशिया की पहचान अक्सर देर से क्यों होती है? जानिए क्या कहते हैं डॉक्टर

अल्जाइमर रोग डिमेंशिया का सबसे आम प्रकार और कारण है। यह एक वायोलॉजिकल प्रक्रिया है जो दिमाग में अमाइलॉइड प्लाक और न्यूरोफिब्रिलरी टैंगल्स के रूप में प्रोटीन जमा होने से शुरू होती है। समय के साथ, इससे दिमाग की कोशिकाएं मरने लगती हैं और दिमाग सिकुड़ने लगता है। अनुमानों के अनुसार, 60 साल और उससे ज्यादा उम्र के 88 लाख भारतीय डिमेंशिया से पीड़ित हैं और अल्जाइमर रोग इसका सबसे आम कारण है। 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में इस बीमारी का प्रसार लगभग 7.4 प्रतिशत है, और भारत की बुजुर्ग आबादी बढ़ने के साथ-साथ इसके मामलों की संख्या भी बढ़ रही है। अल्जाइमर रोग के शुरुआती लक्षणों में हाल की घटनाओं या बातचीत को भूल जाना शामिल है। समय के साथ, अल्जाइमर रोग से गंभीर रूप से याददाश्त कम हो जाती है और व्यक्ति की रोजमर्रा के काम करने की क्षमता पर असर पड़ता है। अल्जाइमर रोग का कोई इलाज नहीं है, एडवांस स्टेज में, दिमाग के काम करने में कमी से डिहाइड्रेशन, खराब न्यूट्रिशन या इन्फेक्शन हो सकता है। इन कॉम्प्लीकेशंस से मौत हो सकती है। लेकिन दवाएं लक्षणों में सुधार कर सकती हैं या सोचने की क्षमता में कमी को धीमा कर सकती हैं। प्रोग्राम और सर्विस इस बीमारी से पीड़ित लोगों और उनकी देखभाल करने वालों की मदद कर सकते हैं। जागरूकता की कमी इस रोज का सबसे बड़ा कारण डिमेंशिया एक ऐसी बीमारी है जो याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहार और रोजमर्रा के काम करने की कौशलियत पर असर डालती है। अक्सर इस बीमारी का पता तब चलता है जब इसके लक्षण काफी गंभीर हो जाते हैं। ऐसी देरी उन समुदायों में ज्यादा देखी जाती है जहां जागरूकता कम है और खास हेल्थकेयर सुविधाओं तक पहुंचना मुश्किल है। इसका एक मुख्य कारण यह है कि शुरुआती लक्षणों को अक्सर बुढ़ापे का सामान्य हिस्सा मान लिया जाता है। हालांकि कभी-कभार किसी का नाम भूल जाना सामान्य हो सकता है,

लेकिन हाल की बातचीत बार-बार के शुरुआती लक्षणों के बारे में जानक, भूलना, जानी-पहचानी जगहों पर री दो जानी चाहिए। प्राइमरी केयर



रास्ता भटक जाना, पैसों या दवाइयों के मामले में दिक्कत होना, या व्यवहार में साफ बदलाव दिखना जैसे लक्षणों को सिर्फ बुढ़ापे की निशानी मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जानकारी की कमी और सामाजिक शर्म की वजह से भी इलाज में देरी हो सकती है। परिवारों को शर्मिलगी महसूस हो सकती है, वे समाज की आलोचना से डर सकते हैं, या उन्हें लग सकता है कि डिमेंशिया बुढ़ापे का एक ऐसा हिस्सा है जिसे बदला नहीं जा सकता। नतीजतन, वे अक्सर तब तक इंतजार करते हैं जब तक लक्षण रोजमर्रा की ज़िंदगी में बड़ी रुकावट न डालने लगें। देखभाल या इलाज पाना भी एक बड़ी चुनौती है। न्यूरोलॉजिस्ट, जेरियाट्रिशियन (बुजुर्गों के डॉक्टर), साइकियाट्रिस्ट और मेमोरी क्लिनिक जैसी विशेषज्ञ सेवाएं अक्सर बड़े शहरों में ही मिलती हैं। यात्रा की दूरी, खर्च, लंबा इंतजार और ट्रैड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की कमी जैसी वजहों से बीमारी का पता लगाना मुश्किल हो सकता है। हम क्या कर सकते हैं बीमारी का पता लगाना मुश्किल हो सकता है, इसका समाधान जागरूकता से शुरू होता है। स्थानीय भाषा में चलाए जाने वाले कैंपेन, कम्युनिटी प्रोग्राम, प्राइमरी हेल्थकेयर सेंटर और सामाजिक संगठनों के जरिए लोगों को डिमेंशिया

डॉक्टर और हेल्थकेयर वर्कर को दिमागी क्षमता में होने वाले शुरुआती बदलावों को पहचानने और जरूरत पड़ने पर मरीजों को आगे रेफर करने के लिए ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। टेलीमेडिसिन और आउटरीच क्लिनिक छोटे कस्बों और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों तक स्पेशलिस्ट की सलाह पहुंचाने में मदद कर सकते हैं। परिवार भी इसमें अहम भूमिका निभाते हैं। अगर याददाश्त या व्यवहार में बदलाव लगातार बने रहते हैं और रोजमर्रा की ज़िंदगी में रुकावट डालते हैं, तो स्थिति के और बिगड़ने का इंतजार करने के बजाय तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है। सबसे जरूरी बात यह है कि डिमेंशिया के बारे में बिना किसी शर्म या हिचकिचाहट के खुलकर बात की जानी चाहिए। बीमारी का जल्दी पता चलने से इलाज योग्य कारणों की पहचान करने, सही देखभाल सुनिश्चित करने, देखभाल करने वालों को सपोर्ट देने और परिवारों को भविष्य की योजना बनाने में मदद मिल सकती है। डिमेंशिया का जल्दी पता लगाना सिर्फ मेडिकल जिम्मेदारी नहीं है, यह परिवार, समुदाय और हेल्थकेयर सिस्टम बीमारी का पता लगाना मुश्किल हो सकता है। हम क्या कर सकते हैं? हमें सामूहिक जिम्मेदारी है।

27 सितंबर से 3 अक्टूबर 2026 का राशिफल: इन राशियों को होगा लाभ, इनके खुलेंगे भाग्य

मेष— सितंबर महीने का आखिरी सप्ताह मेष राशि के जातकों के लिए अच्छा रहेगा। इस हफ्ते आपको सेहत का विशेष ख्याल रखना होगा। आर्थिक स्थिति के लिए यह सप्ताह बढ़िया है, हालांकि खर्च बड़े रहेंगे, विजनेसमैन को अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए मेहनत ज्यादा करनी होगी, नौकरी वाले जातक संभलकर रहें, नुकसान उठाना पड़ सकता है। प्रेम संबंधों के लिए भी यह सप्ताह अच्छा साबित होगा। साथी के साथ आप अच्छा समय गुजारेंगे, रिश्तों में नर्माहट आएगी, वैवाहिक संबंधों में गलतफहमी को चलते दूर कर पड़ सकती है। शिक्षा के लिए भी यह सप्ताह अच्छा है।

वृषभ— बात वृषभ राशि के जातकों की करें तो आने वाला नया सप्ताह थोड़ा सापधानी से रहने वाला है, पेट से संबंधित कोई बीमारी परेशान कर सकती है, नजरअंदाज ना करें, आर्थिक स्थिति थोड़ी परेशान करेगी, जमीन-जायदाद आदि में निवेश ना करें, व्यापारियों को अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए मेहनत की आवश्यकता है, नौकरीपेशा वाले किसी भी तरह का बदलाव ना करें, वैवाहिक संबंधों में किसी प्रकार की गलतफहमी ना फैल पड़ सकती है, प्रेमी साथी से किसी बात पर विवाद हो सकता है, शिक्षा के लिए सप्ताह ठीक रहेगा, लेकिन करियर में सफलता के लिए मेहनत करनी होगी। मिथुन— सितंबर का आने वाला नया सप्ताह इस राशि के लिए ठीक-ठाक रहेगा, ब्लड से संबंधित कोई समस्या आपको परेशान कर सकती है, इस सप्ताह आप परिवार धन खर्च कर सकते हैं, व्यापारियों का पुराना रुका हुआ कार्य फिर से शुरू हो सकता है, नौकरी वाले जातकों की छुटी हुई नौकरी फिर से वापस मिल सकती है, प्रेम संबंधों में दूर आ सकती है, वैवाहिक संबंधों में खटास आ सकती है, कर्क— कर्क राशि के जातकों के लिए यह नया सप्ताह सामान्य दिखाई दे रहा है, अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें, आर्थिक स्थिति के लिए सप्ताह बेहतर रहेगा, आप घर का रिनोवेशन या वाहन खरीदने पर धन खर्च कर



सकते हैं, व्यापारी धन का निवेश सोच-समझ कर करें, नौकरी वाले जातकों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं, प्रेम संबंधों में अपने अहम को दूर रखकर प्रिय साथी से बातचीत करें, वैवाहिक संबंधों में पुरानी बातों को लेकर तनाव हो सकता है, सिंह— सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सावधानी से रहने वाला रहेगा, आपको पेट से संबंधित कोई समस्या परेशान कर सकती है, इस सप्ताह बेवजह के खर्च लगें रहेंगे, व्यापारियों को व्यापार बढ़ाने के लिए नई योजना बनानी पड़ सकती है, प्रेमी जातकों के लिए यह सप्ताह मेहनत से भरा रहेगा, प्रेमी साथी से रिश्ता खराब हो सकता है, वैवाहिक संबंध अच्छे बने रहेंगे, छात्रों की बात करें तो यदि आप गहन स्टडी की कोशिश करेंगे तो अच्छा रहेगा, कन्या— कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बढ़िया रहेगा, अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, किसी भी प्रकार के इंफेक्शन को हल्के में ना लें, इस सप्ताह आप जमीन या प्रॉपर्टी खरीदना चाहते हैं तो निवेश कर सकते हैं, व्यापारियों को बिजनेस के सिलसिले में यात्राएं करनी पड़ सकती हैं, नौकरी वाले जातक बदलाव के बारे में विचार-विमर्श कर सकते हैं, छात्रों का मन भटक सकता है, तुला— यह सप्ताह तुला राशि के जातकों के लिए मिला-जुला रहेगा, आपको तेज बुखार, सर्दी खांसी से

परेशान होना पड़ सकता है, आर्थिक स्थिति के लिए सप्ताह अच्छा रहेगा, बेवजह के खर्च बने रहेंगे, प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहेगा, पुराने गिले-शिकवे भुलाकर आगे बढ़ें, वैवाहिक संबंधों में किसी गलतफहमी को चलते परेशानियां आ सकती हैं, नौकरी वाले जातक कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, विद्यार्थी करियर को आगे बढ़ाने के लिए मेहनत करेंगे, वृश्चिक— वृश्चिक राशि के जातकों के लिए सप्ताह थोड़ा सही नहीं रहेगा, आपको पेट, ब्लड प्रेशर से संबंधित समस्या परेशान कर सकती हैं, नया सप्ताह खर्चीला रहेगा, बचत की कोशिश करेंगे, प्रेम संबंधों को लेकर सप्ताह सही रहेगा, वैवाहिक संबंधों में जीवनसाथी के चिड़चिड़े स्वभाव से बचकर रहें, व्यापारी निवेश कर सकते हैं, नौकरी वाले जातकों के लिए समय थोड़ा परेशानी वाला रहेगा, छात्रों के लिए समय अच्छा रहेगा, मेहनत करेंगे तो सफलता हाथ लगेगी,

धनु— धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बढ़िया रहेगा, आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, आर्थिक स्थिति के लिए सप्ताह बढ़िया रहेगा, आप अधिक धन खर्च करेंगे, प्रेम संबंधों में किसी तीसरे व्यक्ति के चलते किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, वैवाहिक संबंधों में मधुरता बनी रहेगी, जीवनसाथी संग किसी यात्रा

त्योहारों से पहले बड़ी राहत, जल्द कम होंगे खाने के तेल के दाम



नई दिल्ली: देश में त्योहारों का सीजन शुरू होने से ठीक पहले आम जनता के लिए एक राहत भरी खबर आई है। केंद्र सरकार ने खाने वाले तेलों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने सोयाबीन, पाम और सनफलावर तेल पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी यानी आयात शुल्क में भारी कटौती कर दी है। सरकार के इस फैसले के बाद अब बाजार में कुं काग ओयल के खुदरा दाम काफी नीचे आने की उम्मीद जताई जा रही है। इंपोर्ट ड्यूटी में कितनी हुई कटौती? सरकारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, कूड सनफलावर ऑयल पर लगने वाली वैसिक कस्टम ड्यूटी (टैक्स) को 10 फीसदी से घटाकर सीधे शून्य यानी नील कर दिया गया है। वहीं, रिफाइनड सनफलावर ऑयल पर इसे 32.5 फीसदी से घटाकर 22.

5 फीसदी किया गया है। इसके अलावा, कूड सोयाबीन और पाम ऑयल पर ड्यूटी 10: से घटाकर 5: और रिफाइनड सोयाबीन व पाम ऑयल पर 32.5: से घटाकर 27.5: कर दी गई है। यह नई दरें आज से लागू हो गई हैं। त्योहारों में मिलेगी बड़ी राहत पेट। इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (एचए) के अध्यक्ष सुधाकर देसाई ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब देश में त्योहारों का सीजन शुरू हो रहा है। इस दौरान घरों के साथ-साथ मिठाई, स्नैक्स और होटल-कैंटरिंग (फूड्स) सेक्टर में कुकिंग ऑयल की मांग बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। ड्यूटी घटने से तेल कंपनियों के लिए इसकी लागत कम होगी, जिसका सीधा फायदा आम उपभोक्ताओं को

घटती कीमतों के रूप में मिलेगा। साउथ इंडिया में ज्यादा सस्ता होगा सनफलावर ऑयल पेट। के मुताबिक, सनफलावर तेल पर सबसे ज्यादा कटौती की गई है। इस वजह से आने वाले दिनों में सनफलावर ऑयल काफी सस्ता हो सकता है। इसका सबसे बड़ा फायदा दक्षिण भारत के राज्यों को मिलेगा, क्योंकि वहां सनफलावर ऑयल का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम ऑयल के महंगे होने के कारण अब भारतीय उपभोक्ता सनफलावर और सोयाबीन तेल की तरफ ज्यादा रुख कर सकते हैं। क्यों जरूरी था सरकार का यह कदम? भारत अपनी जरूरत का लगभग 60 फीसदी खाने का तेल दूसरे देशों से खरीदता है। हम पाम ऑयल मलेशिया और इंडोनेशिया से मंगाते हैं, जबकि

बहुत ज्यादा स्ट्रेस बढ़ा सकता है हृदय रोग का खतरा, डॉक्टर ने बताया तनाव के लक्षण और कैसे करें कंट्रोल?



बहुत कम लोग जानते हैं कि मानसिक तनाव का प्रभाव नौद और मना दशा से भी अधिक हमारे हृदय स्वास्थ्य पर पड़ता है। कभी-कभार तनाव होना सामान्य है, लेकिन अगर तनाव लंबे समय तक बना रहे, तो यह दिल की सेहत पर असर डाल सकता है। पंजाब की जानी-मानी होम्योपैथिक चिकित्सक, डायटिशियन एवं समय स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉक्टर कोमल मंगू ग्रेवाल कहती हैं कि लगातार तनाव के कारण शरीर में हाई ब्लड प्रेशर, सूजन और कोलेस्ट्रॉल से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है और समय के साथ ये कारक हृदय रोग, हार्ट अटैक और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाने में योगदान दे सकते हैं। हृदय, तनाव से कैसे प्रभावित होता

है? जब आप बहुत ज्यादा तनाव लेते हैं, तो शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। इससे कुछ समय के लिए रक्तचाप और हृदय गति बढ़ सकती है। लेकिन, लंबे समय तक तनाव रहने पर धमनियों में सूजन, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल असंतुलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। तनाव के संकेत कैसे पहचानें? अगर आप लगातार तनाव में रहते हैं, तो छाती में कसाव या हल्का दर्द हो सकता है। खासकर, तनाव के दौरान, सांस लेने में परेशानी, नींद में दिक्कत, चिड़चिड़ापन की समस्याएं जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं। तनाव को कैसे करें नियंत्रित? रोजाना करें वॉक: तनाव को कम करने के लिए रोजाना 30 मिनट तक

वॉक करें। रोजाना चलने से स्ट्रेस हार्मोन कम होता है और हृदय को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। वॉक के साथ ही ध्यान, योग या कुछ मिनटों तक गहरी सांस लेने का अभ्यास आपके तंत्रिका तंत्र को धीमा कर सकता है जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। अच्छी नींद है जरूरी: स्ट्रेस कम करने के लिए सबसे जरूरी है नींद ज्यादा लें। अच्छी नींद लेने से शरीर को तनाव से उबरने में मदद मिलती है। इसलिए, रात में लगभग सात से आठ घंटे सोने का लक्ष्य बनाएं। हेल्दी डाइट: दिल की सेहत के लिए अपनी डाइट भी अच्छी करें। अपनी डाइट में आप फल, सब्जियां, साबुत अनाज और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

एशियन गेम्स 2026: कौन हैं रोशिबिना देवी? जिन्होंने लगातार तीसरे एशियन गेम्स में जीता मेडल



प: भारतीय वुशू स्टार रोशिबिना देवी ने एशियन गेम्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा हुआ है। उन्हें गुरुवार को एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के 60kg सांडा इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। फाइनल मुकाबले में रोशिबिना को चीन की झांग शियाओयू से 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से उन्हें सिल्वर मेडल पर ही संतोष करना पड़ा। हालांकि ये एशियन गेम्स में उनका लगातार तीसरा मेडल है इससे पहले रोशिबिना ने 2018 में जकार्ता और 2023 में हांगझो में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उन्होंने एशियन गेम्स में भारत के लिए 13वां मेडल जीता और मौजूदा इवेंट में भारत के पास अब तक 14 मेडल हो गए हैं। अपने रजत पदक के महत्व के बारे में रो.

शिबिना ने कहा, 'यह एशियाई खेलों में मेरा तीसरा पदक है। सभी वुशू खिलाड़ी पदक जीतने की उम्मीद करते हैं। वे भी मेरी तरह पदक जीतना चाहते हैं। मैं सभी खिलाड़ियों को प्रेरित करना चाहती हूँ। मैं भी उनसे प्रेरणा लेना चाहती हूँ। आगामी खेलों 25 वर्षीय रोशिबिना फाइनल के बाद कहा, 'जो कुछ हुआ, वह मेरी वजह से नहीं हुआ। यह महासंघ का फैसला था कि मुझे एशियाई खेलों के लिए चुना जाए। भारतीय वुशू संघ ने जो भी फैसला लिया, मुझे लगता है कि वह सही था।' उन्होंने दिव्यांशी को आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'मैं इसे नजरअंदाज करूंगी। मैं सिर्फ अपने लक्ष्य पर ध्यान देना चाहती हूँ। क्या था विवाद? रोशिबिना को आखिरी

समय में भारतीय वुशू टीम में शामिल किया गया था, जिससे यह मामला विवादों से घिर गया। दरअसल खेल मंत्रालय द्वारा 22 अगस्त को जारी किए गए स्क्वाड में महिलाओं के 60kg सांडा कैटेगरी में दिव्यांशी चौधरी का नाम था। लेकिन वुशू एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ए) ने दिव्यांशी के चोटिल होने की जानकारी दी, जिससे रोशिबिना के टीम में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया। इसके बाद दिव्यांशी ने एक वीडियो जारी करके आरोप लगाया कि उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था ताकि वुशू स्क्वाड में रोशि. बिना को शामिल किया जा सके। इसी वजह से फेडरेशन ने मुझे चोटिल घोषित कर दिया। हालांकि मैंने सिल्वरशन ट्रायल में रोशिबिना को हराया था। लेकिन कुछ दिनों बाद दिव्यांशी ने एक और वीडियो जारी किया जिसमें कहा कि वे फेडरेशन के फैसले को समझती हैं और अपनी सेहत को प्राथमिकता देंगी। भारतीय वुशू स्टार रोशिबिना देवी ने जीता सिल्वर मेडल भारतीय वुशू स्टार रोशिबिना देवी ने जीता सिल्वर मेडल (16) कौन हैं रोशिबिना देवी? रोशिबिना देवी का जन्म 30 दिसंबर 2000 को मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में हुआ था। वह भारतीय एथलीट वुशू के सांडा कैटेगरी में हिस्सा लेती हैं, जो वुशू का एक कॉम्बैट डिस्चिप्लिन खेल है, जिसमें स्ट्राइकिंग और कुछ थ्रोइंग

मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के दम पर वैश्विक संकटों से मजबूती से लड़ रहा है भारत: तट बुलेटिन



मुंबई: वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल और तनाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक राहत भरी खबर आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (रुप) के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' लेख के अनुसार, भारत के वित्तीय और बाहरी क्षेत्र घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण बेहद सुरक्षित और सुदृढ़ स्थिति में हैं। हालांकि, रिजर्व बैंक ने चेतावनी भी दी है कि पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव और मौसम की अनिश्चितताएं आने वाले समय में देश के लिए बड़ी चुनौतियां बन सकती हैं। वैश्विक तनाव और कच्चे तेल का बढ़ता खतरा सितंबर महीने में पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में

भारी उछाल आया है। आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, तेल महंगा होने से दुनिया भर की सप्लाय चेन बाधित होने का खतरा बढ़ गया है। इससे भारत के भीतर भी महंगाई का दबाव दोबारा बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। इसके अलावा, दुनिया की बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से उनके सरक. री खजाने पर दबाव देखा जा रहा है, जिसका थोड़ा-बहुत असर वैश्विक बाजारों पर भी पड़ रहा है। मुश्किलों के बावजूद विकास दर मजबूत इन तमाम अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (फ1) में भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार सकल घरेलू उत्पाद (GDP) विकास दर दर्ज की है। लेख में स्पष्ट किया गया है कि देश

का वास्तविक आर्थिक आधार इतना मजबूत है कि वह बाहरी झटकों को आसानी से झेल रहा है। अगस्त और सितंबर के दौरान देश के शेयर बाजारों में सुस्ती जरूर देखी गई, क्योंकि वैश्विक तनाव और बढ़ते बॉन्ड यील्ड के कारण निवेशकों ने फूक-फूक कर कदम रखा। इसके चलते सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने भारतीय बाजार से पैसे निकाले, जबकि अगस्त में उन्होंने जमकर निवेश किया था। विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर। भारत के लिए सबसे बड़ी मजबूती इसका विदेशी मुद्रा भंडार है। जून में सरकार और आरबीआई द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 सितंबर 2026 तक बढ़कर 765.9 अरब अमेरिकी डॉलर (नियुक्त 765.9 टपससपवद) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही, जुलाई महीने में देश में आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (छमज धन) पिछले पांच वर्षों में किसी भी एक महीने के मुकाबले सबसे ऊंचे स्तर पर रहा। अप्रवासी भारतीयों (छत्र) द्वारा बैंकों में जमा की जाने वाली रकम में भी भारी बढ़ोतरी देखी गई है। सेवाओं के निर्यात और विदेशों से आने वाले रেমिटेंस (प्रवासियों द्वारा भेजा गया धन) के दम पर भारत का चालू खाता घाटा भी पूरी तरह नियंत्रण में है।

बैंकिंग सेक्टर और बाजार में

पेंड लउमे 2026: भारत ने 7वें दिन जीता 3 गोल्ड मेडल, कबड्डी में भारतीय टीम का डबल धमाका

जापान में हो रहे एशियाई खेलों के सातवें दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने अपने-अपने फाइनल में ईरान को हराकर गोल्ड मेडल जीता। महिला टीम ने अपना फाइनल मैच 37-34 से जीता जबकि पुरुष टीम ने 40-34 से खिलाड़ी मुकाबला अपने नाम किया। इससे पहले भारत के सापन बरवाल ने मैराथन इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिससे भारत के एशियाई खेलों में इस इवेंट में 44 साल बाद कोई मेडल जीतने का इंतजार खत्म हुआ। इसके बाद तिलोत्तमा सेन, विदर्शा विनोद कोचालुमकल और आशी चौकसे ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, फिर स्ववाश में जोशना चिनप्पा और वेलवन संधिलकुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। दिन के आखिर में तजिंदरपाल सिंह तूर ने पुरुषों के शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीता और प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके साथ भारत ने आज कुल 7 मेडल अपने नाम किए। मेडल टेबल में भारत अभी 30 मेडल के साथ 10वें स्थान पर है, जिसमें 4 गोल्ड, 12 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज शामिल हैं। 05 चड, 26 मच 2026 (पू) प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर में जीता ब्रॉन्ज मेडल भारत की प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर दौड़ के फाइनल में 53.21 सेकंड में पूरी करके तीसरा स्थान हासिल किया। बहरीन

की सलवा नासेर ने 49.20 सेकंड के सऊदी अरब के मोहम्मद टोलू ने 20.



इन खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। ईरान की जहरा जारेई मनीजान ने 52.38 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। 11:04 चड, 26 मच 2026 (पू) तजिंदरपाल सिंह तूर ने पुरुषों के शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीता तजिंदरपाल सिंह तूर ने पुरुषों के शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीता। जो इन महाद्वीपीय खेलों में उनका तीसरा पदक है, पिछले दो चरण में स्वर्ण पदक जीतने वाले तूर ने 20.84 मीटर की दूरी तक गोला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया। ईरान के मोहम्मदरेजा तैयबीसे ने एशियाई खेलों का रिकॉर्ड तोड़ा और 20.81 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस तरह उन्होंने 2018 में तूर द्वारा बनाए गए 20.75 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

48 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता 3:34 चड, 26 मच 2026 (पू) पेंड लउमे 2026 स्पअम: पुरुष कबड्डी टीम ने भी जीता गोल्ड मेडल कबड्डी में महिला टीम के बाद पुरुष टीम ने भी गोल्ड मेडल जीत लिया है। उन्होंने ईरान को 40-34 स्कोर से हराया। ये मौजूदा एशियन गेम्स में भारत का चौथा गोल्ड है। जबकि एशियन गेम्स में ये भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का 9वां गोल्ड मेडल है।

1:28 चड, 26 मच 2026 (पू) पेंड लउमे 2026 स्पअम: भारत 27 मेडल के साथ 12वें स्थान पर एशियन गेम्स 2026 मेडल टेबल में भारत अभी 27 मेडल के साथ 12वें स्थान पर है, जिसमें 3 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल हैं।

एशियन गेम्स 2026: भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला हर मैच काफी ज्यादा रोमांचक होता है। लेकिन फैंस का उत्साह उस समय ज्यादा बढ़ जाता है जब ये मुकाबला क्रिकेट के मैदान में पहुंचता है। हालांकि जापान में जारी एशियाई खेलों के मैस क्रिकेट प्रतियोगिता में ऐसा फिक्सचर बनाया गया है, जिसकी वजह से ये दोनों टीमों सिर्फ मेडल मैच में ही आमने सामने हो सकती हैं। लेकिन सोमवार को महिला और पुरुष टेबल टेनिस टीमों के मुक. अबले में दोनों पड़ोसी देश आमने सामने आए, जिसमें पड़ोसी देश पाकिस्तान को बुरी तरह 3-0 से हार



का सामना करना पड़ा। इस शानदार जीत के साथ भारत की महिला टीम क्वार्टर फाइनल में जबकि मैस टीम प्रीक्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर गई है। महिला टेबल टेनिस टीम का शानदार प्रदर्शन भारतीय महिला टीम

ने ग्रुप एफ में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने रविवार को अपने शुरुआती मुकाबलों में इंडोनेशिया और सिंगापुर को हराया था और इसके बाद चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भी अपना दबदबा कायम रखा। पिछले एशियाई खेलों में महिला युगल में कांस्य पदक जीतने वाली सुतीर्या मुखर्जी ने पाकिस्तान की अलीना खान को केवल 10 मिनट में 11-3, 11-3, 11-4 से हराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद 17 वर्षीय सिद्धेला दास ने कलसूम खान को 11-6, 11-7, 11-5 से

छ की नई वेतन सीमा से आपकी बचत और पेंशन पर क्या असर पड़ेगा? जानिए पूरा गणित



नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने नौकरीपेशा वर्ग को बड़ा सामाजिक सुरक्षा लाभ देने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (एफ) की अनिवार्य वैधानिक वेतन सीमा को 15,000 से बढ़ाकर 25,000 प्रति माह करने की मंजूरी दे दी है। साल 2014 के बाद इस सीमा में किया गया यह पहला बड़ा बदलाव है। इस फैसले से देश के करीब 51 लाख अतिरिक्त औपचारिक श्रमिकों को भविष्य निधि और पेंशन सुरक्षा के दायरे में लाया जा सकेगा। इस नीतिगत बदलाव के कारण अब कर्मचारियों की मासिक बचत की रफ्तार तेज होगी, लेकिन साथ ही उनके हाथ में आने वाले वेतन पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा। पीएफ योगदान का नया गणित: पहले यह सीमा 15,000 थी, जो अब बढ़कर 25,000 हो गई है। कर्मचारी का योगदान: न्यूनतम अनिवार्य कटौती 15,800 से बढ़कर अब 23,000 प्रति माह हो जाएगी। नियोजता का योगदान: कंपनी का

अनिवार्य हिस्सा भी 15,800 से बढ़कर 23,000 प्रति माह होगा। कुल मासिक सामाजिक सुरक्षा निवेश: आपके पीएफ खाते में अब हर महीने 48,800 के बजाय 48,000 जमा होंगे, यानी सीधे 800 की बढ़ोतरी। बचत और पेंशन पर दोहरा असर 1. रिटायरमेंट फंड में बंपर बढ़ोतरी और उच्च पेंशन (नै): मासिक योगदान में 12,400 की संयुक्त वृद्धि होने से कर्मचारियों का रिटायरमेंट कॉर्पस चक्रवृद्धि ब्याज की मदद से तेजी से बढ़ेगा। इसके अलावा, नियोजता के 12: योगदान में से 2. इन-हैंड सैलरी में कमी (क्रेडिट और सीटीसी मॉडल): जिन कर्मचारियों का पीएफ अब तक 15,000 की सीमा पर ही काटा जा रहा था, उनके वेतन से अब 1,200 एक हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना (नै) में जाता है। पहले पेंशन योग्य वेतन की सीमा 15,000 होने के कारण ईपीएस में अधिकतम 1,250 ही जमा हो पाते थे, अब वेतन सीमा 25,000 होने से मासिक ईपीएस आवंटन बढ़कर 12,083 हो जाएगा, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली मासिक पेंशन में उल्लेखनीय सुधार होगा। 2. इन-हैंड सैलरी में कमी (क्रेडिट और सीटीसी मॉडल): जिन कर्मचारियों का पीएफ

अब तक 15,000 की सीमा पर ही काटा जा रहा था, उनके वेतन से अब 1,200 अतिरिक्त कटेंगे, जिससे उनकी टेक-होम सैलरी कम हो जाएगी। जिन कंपनियों में कॉन्स्ट-टू-कंपनी (ब्लै) मॉडल लागू है, वहां कंपनी का बढ़ा हुआ हिस्सा (1,200) भी कर्मचारी के पेंकेज से ही एडजस्ट किया जा सकता है। ऐसे मामलों में इन-हैंड सैलरी में अधिकतम 12,400 तक की कमी देखी जा सकती है। कौन होगा प्रभावित और कौन रहेगा बेअसर 15,000 से 25,000 वाले कर्मचारी: इन्हें अनिवार्य रूप से पहली बार पीएफ के दायरे में लाया जाएगा। इनकी लंबी अवधि की बचत बढ़ेगी, 25,000 से अधिक वेतन वाले (जो 15,000 पर कैंड थे): इनका पीएफ योगदान 1,800 2. इन-हैंड सैलरी में कमी (क्रेडिट और सीटीसी मॉडल): जिन कर्मचारियों का पीएफ अब तक 15,000 की सीमा पर ही काटा जा रहा था, उनके वेतन से अब 1,200 से बढ़कर 13,000 हो जाएगा। जो पहले से पुरे बेसिक वेतन पर पीएफ दे रहे हैं: ऐसे कर्मचारियों के इन-हैंड वेतन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, केवल उनके पीएफ और ईपीएस के आंत. रिक विभाजन में बदलाव होगा,

रणवीर कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह एक पैपराजी पर नाराज होते हुए दिख रहे हैं.

हैदराबाद: रणवीर कपूर अपने शांत और संयम भरे व्यवहार के लिए जाने जाते हैं. हालांकि, हाल ही में मुंबई में एक रेस्टोरेन्ट के बाहर मौजूद फोटोग्राफरों में से एक पर एक्टर का गुस्सा फूट पड़ा. शनिवार, 26 सितंबर की रात, रणवीर को मुंबई में एक रेस्टोरेन्ट के बाहर 'लव एंड वॉर' के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली, अपनी पत्नी आलिया भट्ट और को-स्टार विक्की कौशल के साथ देखा गया. उन्होंने मुस्कुराते हुए पैपराजी का अभिवादन किया और तस्वीरों के लिए पोज दिए. फोटो सेशन के दौरान, एक फोटोग्राफर के जोर से चिल्लाने पर रणवीर चिढ़ गए. वहां से निकलते समय, 'समायण' स्टार उस फोटोग्राफर पर भड़क गए. रणवीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल को मुंबई में एक रेस्टोरेन्ट के बाहर 'लव एंड वॉर' के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली के साथ देखा गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. 'लव एंड वॉर' की कास्ट ने फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के साथ पोज दिया. कुछ तस्वीरें खिंचवाने के बाद संजय क्रम से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे. शायद इसलिए कि पैपराजी तीनों की एक साथ तस्वीर ले सकें, लेकिन रणवीर ने जिद की कि फिल्ममेकर वापस आएँ और उनके साथ पोज दें. फोटोशूट के बाद, रणवीर कपूर एक फोटोग्राफर पर गुस्सा करते दिखे जो



बार-बार चिल्लाकर उन्हें आलिया और विक्की के साथ पोज देने के लिए कह रहा था. जाते समय, रणवीर ने उस फोटोग्राफर की ओर देखा और कहा, "बहुत बोल रहा है तू". इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोग एक्टर के जवाब पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. वीडियो में, रणवीर आलिया को भीड़ से दूर ले गए. उन्होंने आलिया को कार तक पहुंचाया और यह पक्का किया कि वह भीड़ से सुरक्षित निकल जाएं. जबकि फोटोग्राफर लगातार तस्वीरें खींचते रहे. रणवीर कपूर ऑलिव ग्रीन शॉर्ट कुर्ता और ब्लैक जींस में बहुत अच्छे लग रहे थे। वहीं, आलिया भट्ट नियोन ग्रीन कलर की ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही थीं,

जबकि विक्की कौशल ने क्लासिक व्हाइट शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी थी. संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लव एंड वॉर' इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है. रणवीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल जैसे तीन बड़े सितारे पहली बार संजय लीला भंसाली की एक मेगा फिल्म में साथ आ रहे हैं. हाल ही में मेकर्स ने तीनों कास्ट का फर्स्ट लुक जारी कर फैंस को चौंका दिया है. तीनों कलाकार नए अवतार में नजर आ रहेंगे। ग्रीन शॉर्ट कुर्ता और ब्लैक जींस में बहुत अच्छे लग रहे थे। वहीं, आलिया भट्ट नियोन ग्रीन कलर की ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही थीं. यह फिल्म 21 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों में

जैम चंकपेम ठव• वीपिबम बससमबजपवद क्ल 3: नानी के लिए शनिवार रहा शानदार, फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा किया पार

द पैराडाइज • रिव्यू: टिकट खरीदने से पहले जानें कैसी है नेचुरल स्टार नानी की फिल्म. पढ़ें क्या बोले दर्शक नानी स्टारर फिल्म 'द पैराडाइज' सिनेमाघरों में भारी चर्चा और प्रशंसा. के उत्साह के बीच आज रिलीज हुई, लेकिन नकारात्मक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आने के साथ ही फिल्म को लेकर चर्चा का रुख तेजी से बदल गया. इस फिल्म ने नानी के करियर की सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग में से एक दर्ज की थी और नियमित शो से पहले ही दुनिया भर में 40 करोड़ रुपये से अधिक की प्री-सेल्स की रिलीज के रिव्यू आने के बाद दर्शकों का मन बदलता दिख रहा है.

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने फिल्म को निराशाजनक बताया और हाल ही में रिलीज हुई यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से इसकी तुलना करते हुए इसे कमतर बताया. कुछ ने नानी से बेहतर रिफ्रेक्ट चुनने को कहा, वहीं कुछ ने फिल्म में राघव जुयाल की अभिनय पर सवाल उठाए. वहीं, कम से कम एक फैन ने आलोचना का खंडन करते हुए सवाल उठाया कि क्या फिल्म को पैसे देकर फैंलाई गई नकारात्मकता का सामना करना पड़ रहा है. एक यूजर ने लिखा, 'शुरु से अंत तक एक घटिया फिल्म, बस शुरुआत थोड़ी अच्छी है. महिलाओं के खिलाफ हिंसा वाले भड़काऊ सीन लिखना भावनाओं को जगाने का तरीका नहीं है. कुछ मजेदार पलों के साथ, ये फिल्म बनावटी खिरदारी से



भरी है. सरासरी घटिया एक अन्य यूजर ने लिखा, 'फिल्म बेहद निराशाजनक है / छ-उमपेछंदप कृपया जैसी जैसी अच्छी रिफ्रेक्ट चुनें. आप अपनी प्रतिभा को बर्बाद कर रहे हैं'. एक अन्य यूजर ने लिखा, 'शुरुआती 16 मिनट को छोड़कर, पूरा आधा हिस्सा बिल्कुल बेकार था, फिर दूसरा आधा हिस्सा आया और हमें लगा कि लाइनर कितनी अच्छी फिल्म थी रुनानी, आप बड़ी फिल्मों के लिए नहीं बने हैं. आप हाय नन्ना जैसी हल्की-फुल्की, भावनात्मक फिल्मों के लिए ही बने हैं'. एक अन्य यूजर ने लिखा, 'राघव जुयाल को द पैराडाइज में उनके अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना चाहिए. भाई को अभिनय का मतलब ही नहीं पता. कोई उन्हें इतनी बड़ी फिल्म में कैसे कास्ट कर सकता है? कितना घटिया अभिनय है'. एक अन्य टिप्पणी में कहा गया, 'रूजिमतचंकपेम के प्रीमियर के

बाद रुज्जपव को सकारात्मक समीक्षाएं मिल रही हैं. एक अन्य पोस्ट में लिखा था, नानी के करियर की सबसे खराब फिल्म, आपदा एक फैन ने किया नानी को सपोर्ट आलोचनाओं के बीच एक फैन ने अभिनेता का बचाव करते हुए लिखा, 'यह अविश्वसनीय है कि नानी की फिल्म पैराडाइज को नकारात्मक समीक्षाएं मिल रही हैं. किसी ने तो यह भी कहा कि पैराडाइज' 'टॉक्सिक' से भी बदतर है. वहीं किसी ने कहा कि पहला भाग अच्छा है लेकिन दूसरा भाग असहनीय है. क्या यह वाकई एक खराब फिल्म है या नानी की फिल्म के खिलाफ पैसे देकर फैलाई गई नकारात्मकता है? मुझे नानी और अनिरुद्ध के संगीत पर पूरा भरोसा है 'आया शेर' मेरा इस समय का पसंदीदा गाना है. फिल्म के बारे में रिलीज से पहले ही, 'द पैराडाइज' ने एडवांस टिकट बिक्री के जरिए नानी

'जो औरत अपने पति को मारने..' गोविंदा की रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी के एक्टर की पत्नी सुनीता आहूजा पर संगीन आरोप

गोविंदा और कोमल रानी स्वर्णकार के कथित अफेयर की खबरें जल्द ही शांत होने वाली नहीं हैं. हाल ही में एक इंस्टाग्राम स्टोरी में कोमल रानी ने सुनीता आहूजा पर तीखी टिप्पणी करते हुए उनकी हालिया टिप्पणियों की निंदा की है. गोविंदा और कोमल ने हाल ही में लालबागचा राजा मंदिर में साथ में बप्पा के दर्शन किए थे, जिसके बाद सुनीता आहूजा दक्षिणेश्वर काली मंदिर गईं. उनके दौरे के एक वीडियो में उन्हें यह कहते हुए देखा गया, 'मेरा घर बेवजह टूट रहा है'. सुनीता को जवाब देते हुए कोमल ने अपनी हालिया पोस्ट में लिखा, 'टूटे हुए घर में कोई भी घर तोड़ने वाला नहीं बन सकता. गोविंदा के साथ अपने संबंधों को लेकर लगातार बढ़ती चर्चाओं के बीच, कोमल ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी और इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा नोट लिखा. कोमल ने सुनीता पर अपने खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा, 'जो औरत अपने पति को सालों से जान से मारने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बददुआएं किसी को नहीं लगती. कोई भी पहले से टूटे हुए घर में संघ नहीं लगा सकता. हमारे देश के लोग इतने मूर्ख नहीं हैं कि सिर्फ इसलिए कौवे के पीछे भागें क्योंकि



किसी ने उनसे कहा है कि कौवे ने उनका फाल काट लिया है. मुझे समझ नहीं आता कि एक औरत किस तरह के दर्द से गुजर रही है. जहां वह इसे ठीक करने की कोशिश करने के बजाय, इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने का आनंद लेती दिख रही है. क्या यह सचमुच वर है. या यह एक सोची-समझी साजिश है? उन्होंने आगे कहा, 'किसी पुरुष को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करना, उसे काम करने से रोकना, उसे घर पर बैठा कर निष्क्रिय कर देना, उसे पूरी तरह से अलग-थलग कर देना और उसे मृत्यु के कगार तक पहुंचा देना. मुझे नहीं लगता कि कोई अच्छी और समर्पित पत्नी अपने पति के साथ इतना बुरा व्यवहार कर

सकती है. क्या ऐसी महिलाएं मानसिक रूप से बीमार हैं, या वे अपनी ही भलाई के लिए हद से ज्यादा घालाफ हैं. जो अच्छी तरह जानती हैं कि जो काम वे बंद दरवाजों के पीछे नहीं कर पाईं, उसे वे सार्वजनिक रूप से लोगों की सहानुभूति हासिल करके कर सकती हैं? अपने स्वार्थ के लिए मेरे नाम का इस्तेमाल करना बंद करो. ईश्वर हर भ आदमी को ऐसी पूर्ण महिलाओं से बचाए'.

गोविंदा-कोमल रानी की अफवाहोंगोविंदा और कोमल रानी के बीच संबंधों को लेकर अटकलें इस साल की शुरुआत में तब तेज हुईं जब दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ देखा गया. कोमल, गोविंदा के

'नकजं जमत' ज्तंपसमत: पाकिस्तानी जासूस बना हिंदुस्तानी देशभक्त, हंस-हंसकर लोटपोट कर देगी आयुष्मान खुराना-सारा की फिल्म का ट्रेलर

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी स्पाई कॉमेडी फिल्म 'उड़ता तीर' दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है. बुधवार, 23 सितंबर को फिल्म का मजेदार ट्रेलर जारी किया गया है. यह फिल्म कॉमेडी, एक्शन और जासूसी का एक मजेदार मिश्रण होने का वादा करती है. जिसमें आयुष्मान का किरदार एक मिशन में फंस जाता है. धर्मा प्रोडक्शन ने 23 सितंबर को उड़ता तीर का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, 'पेश है जबरदस्त कॉमेडी. ऐसी जो पहले कभी नहीं देखी. तैयार हो जाइए. क्योंकि यह मिशन एक रोलरकोस्टर



राइड जैसा है. 'उड़ता तीर' का ट्रेलर 'उड़ता तीर' के ट्रेलर की शुरुआत पाकिस्तान के मिलिट्री ऑफिस से होता है. वॉयज ओवर में यह कहते

हुए सुना जा सकता है कि हिंदुस्तानी एक के एक जासूस पाकिस्तान में भेज रहा है. लेकिन अब पाकिस्तान, हिंदुस्तान में अपना जासूस भेजगा. 3 मिनट 18 सेकंड के इस ट्रेलर में आयुष्मान खुराना को बिलाल अहमद के तौर पर दिखाया गया है. जो एक पाकिस्तानी जासूस है और उसे एक मिशन पर भारत भेजा जाता है. लेकिन, एक घमाके में बिलात की याददाश्त चली जाती है और कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है. अपनी पहचान को लेकर उत्तंजन में रहने के बाद, आखिरकार

घमाके में बिलात की याददाश्त चली जाती है और कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है. अपनी पहचान को लेकर उत्तंजन में रहने के बाद, आखिरकार



गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' आकर्षण का केंद्र बनने के लिए तैयार है. क्योंकि 22 सितंबर को केवडिया के एकता नगर में 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का आयोजन होने जा रहा है. इस प्रतिष्ठित समारोह के लिए आयोजन स्थल को नव्य रूप दिया गया है, जहां मेहमानों के लिए एक बड़ा पंडाल, एयर-कंडीशंड डोम और व्यापक इंतजाम किए गए हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह में पुरस्कार प्रदान करेंगी, जो दोपहर 3 बजे शुरू होगा. इस बहुप्रतीक्षित समारोह से पहले बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुजरात पहुंच चुके हैं.

72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स समारोह के लिए पूरे भारत से फिल्म स्टार्स गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर (केवडिया) पहुंचने लगे हैं. केवडिया पहुंचने वालों में से कार्तिक आर्यन एक थे. सोशल मीडिया पर कार्तिक का कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने का वीडियो सामने आया है. नेशनल लेवल के समारोह में शामिल होने वाले कार्तिक का होटल में पारंपरिक तरीके से सर्विस फीचर फिल्मों, नॉन-फीचर फिल्मों और सिनेमा पर लेखन में उत्कृष्टता को मान्यता देते हैं. ये अवॉर्ड्स भारत की भाषाओं, क्षेत्रों और सिनेमाई रूपों में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए 2024 का दादा साहब फाल्के अवॉर्ड मिला. सरकार ने इस महीने की शुरुआत में दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर इस पुरस्कार की घोषणा की थी.

फिल्मों और फिल्म निर्माण को शामिल करते हैं. 2024 फिल्म वर्ष के प्रमुख सम्मानों में, 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म के रूप में चुना गया है, जबकि 'भंगार' ने बेस्ट नॉन-फीचर फिल्म का पुरस्कार जीता है और 'राम-नामी' को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का नाम दिया गया है. ममूटी और कार्तिक आर्यन क्रमशः 'ब्रह्मयुगम' और 'चंदू चौपियन' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड शेर करेंगे. वहीं, यामी गौतम को 'आर्टिकल 370' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के रूप में चुना गया है. वागत किया गया. डोल-नगाड़ा, माला, आरती और तिलक लगाकर एक्टर का स्वागत किया गया. एक वीडियो में एक्टर को लोगों के साथ फोटो क्लिक भी कराते हुए देखा गया. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 सितंबर को 2024 के लिए भारतीय सिनेमा में उत्कृष्टता के लिए अवॉर्ड्स देंगी. दिग्गज कन्नड़ एक्टर अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और पांच दशकों से अधिक के करियर के लिए 2024 का दादा साहब फाल्के अवॉर्ड मिला. सरकार ने इस महीने की शुरुआत में दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर इस पुरस्कार की घोषणा की थी.

954 में शुरू किए गए नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स फीचर फिल्मों, नॉन-फीचर फिल्मों और सिनेमा पर लेखन में उत्कृष्टता को मान्यता देते हैं. ये अवॉर्ड्स भारत की भाषाओं, क्षेत्रों और सिनेमाई रूपों में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए 2024 का दादा साहब फाल्के अवॉर्ड मिला. सरकार ने इस महीने की शुरुआत में दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर इस पुरस्कार की घोषणा की थी.